Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 228 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

हमें पर द्रव्य को नहीं आत्म द्रव्य को मुख्य बनाना चाहिये।

It is edge of knowledge that it is infinite.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

बस्तर पंडुम

प्रकृति और परंपरा का उत्सव

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री

श्री अमित शाह जी

की गरिमामयी उपस्थिति में

समापन समारोह

9 फरवरी 2026, सोमवार - सुबह 11 बजे

स्थान : लालबाग मैदान, जगदलपुर

54,500+ प्रतिभागी कलाकार | **12** जनजातीय विधाएं

त्रि-स्तरीय आयोजन

(विकासखंड, जिला एवं संभाग)

संभाग स्तरीय आयोजन (7-9 फरवरी)

705 चयनित कलाकारों ने किया प्रतिभा का प्रदर्शन

बस्तर पंडुम से बनी बस्तर की विशिष्ट पहचान

वेशभूषा एवं आभूषण

चित्रकला

पूजा-पद्धति

शिल्प

नाट्य

जनजातीय नृत्य

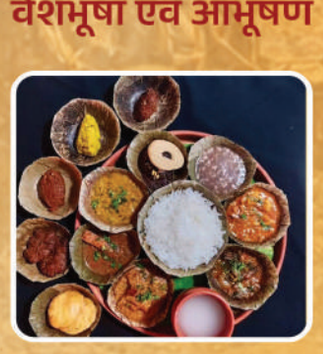

पारंपरिक व्यंजन

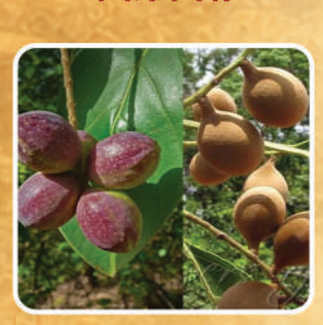

वन-औषधि

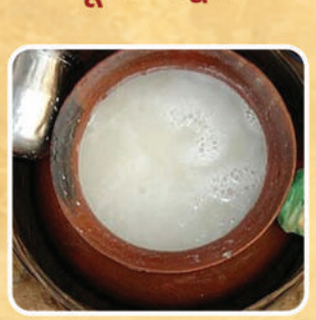

जनजातीय पेय पदार्थ

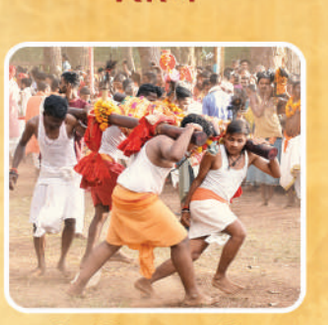

आंचलिक साहित्य

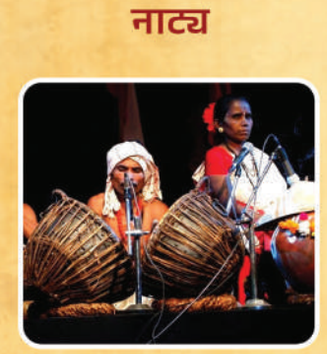

गीत

वाद्ययंत्र

SAMVAD- 46829/111

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई
रायपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए गुरु खुशवंत साहेब

फिजूलखर्ची को छोड़कर बाबा गुरु घासीदास के बताये सादगी विवाह को गर्व के साथ अपनाने की जरूरत

रायपुर (विश्व परिवार)। सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए गुरु खुशवंत साहेब कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार, अनुसूचित जाति विकास विभाग मंत्री गुरु खुशवंत साहेब का रविवार को सारंगढ़ प्रवास रहा, जहाँ केबिनेट मंत्री प्रदेश स्तरीय सतनामी समाज युवक युवती परिचय सम्मेलन में शामिल हुए। गुरु खुशवंत साहेब ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा निरंतर सतनामी समाज के लिए किए जा रहे सबका साथ सबका विकास के कार्यों, प्रदेश में गुरु घासीदास बाबा के मेला आयोजन के लिए स्वीकृत राशि का अपने संबोधन में जिक्र किया।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि बाबा गुरु घासीदास जी के सादा जीवन, उच्च विचार के जो संदेश दिए गए हैं जो संस्कृति और संस्कार बताए गए हैं, उसके सादगी विवाह की परम्परा को हमें गर्व के साथ अपनाने की जरूरत है। केबिनेट मंत्री ने कहा कि, जिस प्रकार आज हम दिखावे की ओर आगे बढ़ रहे हैं। दिखावे की शादी में धन का खर्च बहुत ज्यादा है। लड़का ढूंढना है या लड़की ढूंढना है तो हम सब लोगों को कितना परेशानी होती है। आज लोग विवाह को सम्मान और इज्जत के रूप में देखते हैं और मन मुताबिक शादी करते हैं भले ही कर्ज लेना पड़े। दिखावे से थोड़ा उठके हमें सादा विवाह की राह बहुत पहले गुरु घासीदास ने दी है। इसमें किसी प्रकार का खर्च नही है। समाज में एक दूसरे के प्रति प्रेम की भावना स्थापित करें।

राज्य सरकार द्वारा गुरु घासीदास बाबा के मेला आयोजन के लिए राशि स्वीकृत

मंत्री ने कहा कि गिरौदपुरी हो, भंडारपूरी हो, लालपुर धाम हो, चाहे हर जगह के लिए करोड़ों रुपए पैसा स्वीकृत है। किसी प्रकार के कोई कमी नहीं है सिर्फ धार्मिक स्थल की उन्नति और विकास है। सारंगढ़ में प्रतिवर्ष बाबा गुरु घासीदास जी की जयंती मनाई जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ रमन सिंह ने इसके लिए राशि स्वीकृत की है जो आजतक चल रही है। आज मात्र 2 साल के अंदर में मुख्यमंत्री जी ने हमारा हमेशा लगातार सहयोग किया है। शिक्षा के स्तर में भी सीजीपीएससी में एसडीएम, डिप्टी कलेक्टर बनते हैं, उसकी फ्री कोचिंग की व्यवस्था राज्य सरकार ने की है। पायलट प्रोजेक्ट भी शुरू किए हैं। हमारे छत्तीसगढ़ सरकार में सबका साथ, सबका विकास के मूलमंत्र से सर्व समाज के उन्नति और विकास के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडे, सदस्य लता लक्षमे, सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनवानी, पूर्व विधायक सनम जांगड़े केराबाई मनहर, निर्मल सिन्हा, ज्योति पटेल, सुभाष जालान, अजय गोपाल, वेदराम जांगडे, हरिनाथ खूंटे, शिव कुमारी चौहान बी डी भारद्वाज, आयोजक अजय कोसले सहित बड़ी संख्या में युवक युवती, पालक, सतनामी विकास परिषद के सदस्य और पत्रकारगण उपस्थित थे।

राजिम कुंभ मेला में रेल वन ऐप के प्रचार हेतु चल रहा अभियान

रायपुर। राजिम कुंभ मेला 2026 एक महत्वपूर्ण धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन है, जिसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री शामिल होते हैं। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर रेल मंडल का वाणिज्य विभाग यात्रियों को रेलवे से संबंधित सेवाओं एवं जानकारियों तक सरल एवं त्वरित पहुँच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर मंडल द्वारा रेल वन ऐप के प्रचार हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस विशेष अभियान के अंतर्गत दिनांक 01 फरवरी 2026 से 15 फरवरी 2026 तक राजिम कुंभ मेला क्षेत्र में प्रतिदिन सहायता डेस्क / हेल्प डेस्क लगाई जाएगी। इस दौरान रेलवे के वाणिज्य निरीक्षक एवं वाणिज्य कर्मचारी यात्रियों को रेल वन ऐप डाउनलोड करने, उसके उपयोग एवं विभिन्न सुविधाओं की जानकारी प्रदान करेंगे।

रेल वन ऐप के माध्यम से यात्री टिकट बुकिंग, ट्रेन की लाइव स्थिति, पीएनआर स्टेटस, शिकायत निवारण, रेल मदद, स्टेशन सुविधाएँ एवं अन्य महत्वपूर्ण रेलवे सेवाएँ एक ही प्लेटफॉर्म पर प्राप्त कर सकते हैं, जिससे उनकी यात्रा अधिक सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक बनती है।

शासन के सहयोग से आत्मनिर्भरता की राह पर दिव्यांग राजेश कुमार

रायपुर (विश्व परिवार)। दृढ़ इच्छाशक्ति, मेहनत और राज्य शासन के सहयोग से जीवन की कठिनाइयों को अवसर में बदला जा सकता है इस सच्चाई को चरितार्थ कर दिखाया है बिलासपुर जिले के मस्तूरी विकासखंड अंतर्गत ग्राम चिरहुला निवासी दिव्यांग श्री राजेश कुमार पटेल ने। दोनों पैरों से दिव्यांग होने के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और व्यावसायिक प्रशिक्षण के सहारे आत्मनिर्भर बनकर अपने परिवार को स्थायित्व और सम्मानपूर्ण जीवन प्रदान किया है।

श्री राजेश कुमार पटेल ने बिलासपुर स्थित शासकीय आश्रयदत्त कर्मशाला, तिफरा से सत्र 2023-24 में इलेक्ट्रिकल व्यवसाय का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण ने न केवल उन्हें तकनीकी दक्षता प्रदान की, बल्कि आत्मविश्वास भी दिया, जिससे वे अपनी क्षमताओं को पहचानकर स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ सके।

प्रशिक्षण से पूर्व वे एक छोटी पान दुकान के माध्यम से परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे, जिससे आय सीमित थी। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद उन्होंने अपने घर से ही इलेक्ट्रिकल उपकरण मरम्मत का कार्य प्रारंभ किया। वर्तमान में वे टेबल फैन, सीलिंग फैन, कूलर, मिक्सर ग्राइंडर, हीटर, टेबल लैम्प, इन्वर्टर सहित विभिन्न घरेलू विद्युत उपकरणों की मरम्मत कर रहे हैं।इस कार्य से अब उनकी दैनिक आय 500 से 1500 रुपये तक हो रही है।

खेल मड़ई बना स्वास्थ्य और सौहार्द का मंच :मंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अच्छे शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। पत्रकारों की व्यस्त दिनचर्या के बावजूद खेलों के प्रति उनका उत्साह सराहनीय है। उन्होंने रायपुर प्रेस क्लब द्वारा आयोजित खेल मड़ई को प्रेरणादायक पहल बताते हुए सभी आयोजकों और प्रतिभागी टीमों को शुभकामनाएं दीं।

रायपुर प्रेस क्लब द्वारा स्वर्गीय कुलदीप निगम की स्मृति में खेल मड़ई के अंतर्गत नेताजी सुभाष स्टेडियम, रायपुर में इंटर प्रेस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में पत्रकार जगत की विभिन्न टीमों के बीच उत्साहपूर्ण और रोमांचक मुकाबले खेले जा रहे हैं।

आयोजन का उद्देश्य पत्रकारों को उनकी व्यस्त दिनचर्या से कुछ समय निकालकर खेलों से जोड़ना, आपसी सौहार्द को बढ़ावा देना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मैदान में पहुंचकर प्रतियोगिता में भाग ले रहे पत्रकार खिलाड़ियों से मुलाकात की और उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों की खेल भावना की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन आपसी सहयोग, टीम भावना और सकारात्मक ऊर्जा को मजबूत करते हैं।

इस अवसर पर रायपुर प्रेस क्लब के अध्यक्ष श्री मोहन तिवारी, महासचिव श्री गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष श्री दिलीप साहू, कोषाध्यक्ष श्री दिनेश यदु, सहसचिव श्रीमती निवेदिता साहू एवं श्री भूपेश जांगड़े, खेल आयोजन समिति के संयोजक श्री विजय मिश्रा सहित बड़ी संख्या में पत्रकारगण उपस्थित रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने किया उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में वामपंथी उग्रवाद पर सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, उप-मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा, केन्द्रीय गृह सचिव, आसूचना ब्यूरो के निदेशक, गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा), केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल , सीमा सुरक्षा बल , भारत-तिब्बत सीमा पुलिस , राष्ट्रीय जांच एजेंसी के महानिदेशक, छत्तीसगढ़, ओडिशा, महाराष्ट्र, झारखंड और तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

निधन समाचार

श्रीमती सुरजीत कौर आहलुवालिया

रायपुर। प्रिय दर्शनीय नगर, रायपुर निवासी श्रीमती सुरजीत कौर आहलुवालिया (बबली दीदी)65 वर्ष का निधन हो गया देवेन्द्र नगर मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया,वे सिर्री (कुरुद) के स्व.स. जशवंत सिंह गुरुदत्ता की सुपुत्री , स्व.गुरमीत सिंह अहलूवालिया की पत्नी व स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अधिकारी राशि ओबेराॅय, असीम अहलूवालिया की माता थी।

मंत्री के प्रयासों से 28.19 करोड़ रुपए की सड़क परियोजना को मिली स्वीकृति

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के सतत प्रयासों से भटगांव विधानसभा क्षेत्र को सड़क विकास की एक बड़ी सौगात मिली है। राज्य शासन द्वारा बीरपुर 12 मील हनुमान मंदिर (सिलफिली) से कालीघाट महावीरपुर (अंबिकापुर) तक राष्ट्रीय राजमार्ग-43 के डामरी मजबूतीकरण कार्य के लिए 28.19 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के नेतृत्व में क्षेत्र की आधारभूत सुविधाओं को

सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण परियोजना के माध्यम से लंबे समय से जर्जर सड़क की समस्या का समाधान होगा तथा आमजन को सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक आवागमन की सुविधा मिलेगी।

इस सड़क विकास कार्य से भटगांव विधानसभा सहित आसपास के क्षेत्रों में व्यापार, परिवहन और स्थानीय रोजगार के अवसरों को नई गति मिलेगी। साथ ही अंबिकापुर जैसे प्रमुख शहरी केंद्र से संपर्क और अधिक मजबूत होगा, जिससे क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलेगा।

मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि सुशासन सरकार की प्राथमिकता जनसुविधाओं का विस्तार और संतुलित विकास है। भटगांव विधानसभा के विकास के लिए सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में निरंतर प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं।

सीआईआई छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित फिस्कल फ्रंटियर 2026

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) छत्तीसगढ़ की प्रमुख पहल फिस्कल फ्रंटियर 2026- छत्तीसगढ़ में GST ट्रिब्यूनल का उदय को अत्यधिक उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में सभागार पूर्ण रूप से भरा रहा, जो वस्तु एवं सेवा कर (GST) अपीलीय अधिकरण से जुड़े विषयों पर बढ़ती रुचि और महत्व को दर्शाता है।

उद्घाटन सत्र को छत्तीसगढ़ के माननीय वित्त मंत्री श्री ओ. पी. चौधरी ने संबोधित किया, जिन्होंने कर सुधारों, विवाद समाधान तंत्र तथा राज्य में विकसित हो रहे GST ढांचे पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के अग्रणी प्रतिनिधि, नीति निर्माता, कर विशेषज्ञ तथा प्रमुख हितधारक शामिल हुए, जिससे सार्थक संवाद को बढ़ावा मिला और

उद्योग तथा सरकार के बीच सहयोग मजबूत हुआ।

कार्यक्रम में प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा तथा त्रस्ज्ञ अपीलीय अधिकरण, नई दिल्ली के अध्यक्ष एवं झारखंड उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) डॉ. संजय कुमार मिश्रा शामिल रहे।

तकनीकी सत्र में नवगठित त्रस्ज्ञ अपीलीय अधिकरण के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डाला गया, जिसमें इसके अधिकार क्षेत्र, कार्यप्रणाली तथा GST के अंतर्गत विवाद समाधान को सुदृढ़ बनाने में इसकी भूमिका पर चर्चा की गई। इस दौरान GSTAT, छत्तीसगढ़ राज्य पीठ के न्यायिक सदस्य श्री प्रदीप कुमार व्यास तथा तकनीकी सदस्य (केंद्र) श्री सतीश कुमार अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

वक्ताओं ने उद्योग, कर प्रशासन तथा व्यवसाय सुगमता पर इसके प्रभावों पर विविध दृष्टिकोण साझा किए। CII छत्तीसगढ़ वित्त एवं कराधान पैनल के संयोजक एवं HNA & Co. LLP के पार्टनर श्री भावेश मित्तल, CII छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के अध्यक्ष एवं RSV E&im Pvt Ltd के प्रबंध निदेशक श्री संजय जैन तथा CII छत्तीसगढ़ राज्य परिषद के उपाध्यक्ष एवं श्री बजरंग पावर एंड इस्पात लिमिटेड के निदेशक श्री बजरंग गोयल ने भी सभा को संबोधित किया।

यह कार्यक्रम सशक्त कर पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण हेतु सूचित नीति संवाद को आगे बढ़ाने और उद्योग-सरकार सहभागिता को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में उभर रहा है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28356/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28356
वार्ड का नाम- 3 - संत कबीर दास वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 3 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104N0089D जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती HARSE POHAN WAMAN पिता/पति, श्री/श्रीमती WAMAN HARSE के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती UMESH RANA पिता/पति, श्री/श्रीमती TETU RANA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28333/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28333
वार्ड का नाम- 4 - यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104J00338 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SUPRAKASH DHORAI पिता/पति, श्री/श्रीमती RANJIT DHORAI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती AMRIT KUMAR MAJI पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O RABINDRANATH MAJI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28214/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28214
वार्ड का नाम- 4 - यतीयतन लाल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR104J0070A जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती CHANDRIKA BAI SAHU पिता/पति, श्री/श्रीमती JAGESHWAR PRASAD SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SUSHILA RAJBHAR पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O DINESH RAJBHAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28213/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28213
वार्ड का नाम- 17 -ठक्कर बापा वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 17 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR107B00092 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती NARSINGH SAHU SANDEEP SANTOSH पिता/पति, श्री/श्रीमती KHEDURAM SAHU NARSINGH SAHU के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 01.MUKESH JANGHEL 02.SUSHILA BAI JANGHEL 03.ASHA JANGHEL पिता/पति, श्री/श्रीमती 01. S/O SANTRAM JANGHEL 02.W/O SANTRAM JANGHEL 03. W/O CHAMAN JANGHEL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-1)
संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र./28148/ न.पा.नि./जोन क्र.-1/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28148
वार्ड का नाम- 16 - वीर शिवाजी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR107I00344 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती P.PARWATI पिता/पति, श्री/श्रीमती P.SHRINIWAS RAO के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती K.BHAGYA LAXMI पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O K.VENKAT RAMANA RAO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती दिव्या चंद्रवंशी
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-4)
प्रेस क्लब, पानी टंकी के नीचे, छोटापारा, रायपुर
E-mail ID - rmczone4@gmail.com

पत्र क्र./28244/ न.पा.नि./जोन क्र.-4/2026
रायपुर, दिनांक 05-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28244
वार्ड का नाम-57- भगवती चरण शुक्ल वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 57 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR342F00383 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती KESHAV CHAND SHARMA पिता/पति, श्री/श्रीमती BAHADUR SHARMA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती संध्या सिंह पिता/पति, श्री/श्रीमती अरूण सिंह ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-4
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com

पत्र क्रं./27717/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 27717
वार्ड का नाम- 28- शहीद हेमू कालाणी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 28 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR225D00134 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती ROSHAN LAL AGARWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती S/O RAMCHARAN AGARWAL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. SMT. KUSUM LATA AGRAWAL W/O LATE. ROSHAN LAL AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती 2. DEEPAK AGRAWAL 3. MAMTA AGRAWAL S/O LATE. ROSHAN LAL AGRAWAL ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हक त्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री आर.के. डोंगरे
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-9)
पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुर
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्र. /28245/ न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026
रायपुर, दिनांक 07-02-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 28245
वार्ड का नाम- 8 - महत्मा गांधी वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 8 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR226J00536 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती PHERU RAM YADAV पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE KAMLU YADAV के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती AYUSH KUMAR YADAV पिता/पति, श्री/श्रीमती PHERU RAM YADAV ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-9
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

बस्तर के किसानों और ग्रामीणों को मिलेगी बाढ़ से मुक्तिः सांसद महेश कश्यप ने किया 298.02 लाख के तटरक्षण कार्य का भूमिपूजन

जगदलपुर (विश्व परिवार)। बस्तर के ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और किसानों की उपजाऊ भूमि को नदी के कटाव से बचाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा ग्राम भैसगांव के समीप नारंगी नदी पर स्वीकृत ?298.02 लाख की लागत वाले तटरक्षण कार्य का बस्तर सांसद महेश कश्यप ने विधिवत भूमिपूजन कर शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ दंतेश्वरी और छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। ग्रामीणों ने सांसद कश्यप का पारंपरिक रूप से पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। परियोजना के शुरू होने से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है और ग्रामीणों ने शासन व प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है।

भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद महेश कश्यप ने कहा कि नारंगी नदी के

तटीय क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों के लिए वर्षा ऋतु हमेशा चिंता का विषय रहती थी। बाढ़ के कारण न केवल फसलें बर्बाद होती थीं, बल्कि आवासीय क्षेत्रों पर भी खतरा मंडराता था। उन्होंने कहा,यह परियोजना क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे किसानों की कृषि भूमि सुरक्षित होगी और ग्रामीणों को बाढ़ की विभीषिका से स्थायी सुरक्षा मिलेगी।

जनपद पंचायत अध्यक्ष संतोष बघेल ने डबल इंजन सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह तटरक्षण कार्य ग्रामीणों की लंबे समय से चली आ रही मांग थी।

भाजपा मंडल अध्यक्ष सुखदेव मंडावी ने कहा कि जल संसाधन से जुड़े ये निर्माण कार्य ग्रामीण विकास की रीढ़ हैं और सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुँचाने के अपने संकल्प पर अडिग है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य शकुंतला कश्यप, जनपद उपाध्यक्ष जयवती कश्यप, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष मनीराम कश्यप, रामानंद मिश्रा, उदबोराम नाग, सरपंच मदन बघेल,ग्राम पुजारी,कुलधर भारती, अर्जुन कोर्राम,चैतन भारती, जगदीश मोर्य,चमेली साहू, सुस्मिता मिस्त्री,बसंती पटेल, फूलसिह, जीवनाथ बघेल, बलराम साहनी, सोनारू, रामसाय ,पिंकी मोर्य,शतबती मोर्य, पिल्लूराम सहित भारी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उपस्थित थे।

दिल्ली में सांसद महेश कश्यप की मथुरा सांसद हेमा मालिनी से भेंट, बस्तर आगमन का दिया निमंत्रण

जगदलपुर (विश्व परिवार)। नई दिल्ली में आज बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप की प्रख्यात अभिनेत्री, मथुरा की सांसद एवं संसद में वरिष्ठ सहयोगी हेमा मालिनी से आत्मीय एवं सार्थक भेंट हुई। भेंट के दौरान महेश कश्यप ने सांसद हेमा मालिनी को बस्तर आगमन का औपचारिक निमंत्रण प्रदान किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

सांसद हेमा मालिनी ने बस्तर की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, आध्यात्मिक परंपराओं एवं अद्वितीय प्राकृतिक सौंदर्य के प्रति विशेष रुचि व्यक्त की। उन्होंने निकट भविष्य में बस्तर आने की अपनी सहमति देते हुए कहा कि बस्तर की सांस्कृतिक विरासत एवं सामाजिक विविधता उन्हें सदैव आकर्षित करती रही

है। सांसद महेश कश्यप ने इस अवसर पर बस्तर की सांस्कृतिक पहचान, पर्यटन संभावनाओं एवं सामाजिक आर्थिक विकास से संबंधित विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की।

जिला पंचायत सीईओ ने निर्माणाधीन आवासों का किया औचक निरीक्षण

कोण्डागांव। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अविनाश भोई ने विकासखण्ड कोण्डागांव के ग्राम पंचायत गिरोला अन्तर्गत स्वीकृत एवं निर्माणाधीन आवासों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आवास हितग्राही हिरामती, मेहरारिन, सावित्री, दशाय से सीधे बातचीत कर निर्माण कार्य की प्रगति एवं समस्याओं की जानकारी ली। निर्माण कार्य की गुणवत्ता व सामग्री की स्थिति की मौके पर जांच की। संबंधित ग्राम पंचायत सचिव, पंचायत प्रतिनिधियों व तकनीकी अमले को अपूर्ण एवं धीमी प्रगति वाले आवासों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने व निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से कोई

समझौता न किए जाने के निर्देश दिए गए। ग्राम पंचायत सचिव विद्या देवांगन को कार्य में लापरवाही बरतने पर कारण बताओ पत्र जारी करने एवं अप्रारंभ आवास को शीघ्र प्रारंभ कराने हेतु मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोंडागांव को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत कोंडागांव उत्तम कुमार महोबिया, जिला/जनपद पंचायत के अधिकारी/कर्मचारी, ग्राम पंचायत सचिव व जनप्रतिनिधिगण मुख्य तौर पर उपस्थित रहे।

स्वामी आत्मानंद स्कूल में अनुशासन पर बड़ा सवाल

शिक्षिकाओं के वायरल वीडियो से गरियाबंद में मचा हड़कंप, जांच की उठी मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गया है। विद्यालय की कुछ शिक्षिकाओं के दो वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद शैक्षणिक मर्यादा, अनुशासन और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

वायरल हो रहे एक वीडियो में शिक्षिकाएं विद्यालय परिसर के भीतर कैटवॉक करती नजर आ रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में परिसर के अंदर एक शिक्षक के दामाद के स्वागत का दृश्य दिखाई दे रहा है। इन दृश्यों के सामने आने के बाद अभिभावकों में तीखी नाराजगी देखी जा रही है। उनका कहना है कि जिस परिसर में बच्चों को अनुशासन, नैतिकता और जिम्मेदार नागरिक बनने की शिक्षा दी जाती है, वहां इस प्रकार की गतिविधियां बेहद

चिंताजनक हैं।

अभिभावकों ने स्पष्ट कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों के आदर्श होते हैं। यदि विद्यालय समय और परिसर में इस तरह की गैर-शैक्षणिक गतिविधियां होंगी, तो इसका सीधा असर बच्चों के मानसिक विकास और अध्ययन अनुशासन पर पड़ेगा।

शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम, विद्यालय सेवा आचरण नियम तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत विद्यालय में सुरक्षित, अनुशासित और शैक्षणिक वातावरण बनाए रखना प्रशासन और शिक्षकों की सामूहिक जिम्मेदारी है। विद्यालय परिसर का उपयोग निजी कार्यक्रमों, मनोरंजन या गैर-शैक्षणिक गतिविधियों के लिए करना नियमों के विपरीत माना जाता है।

अभिभावकों का आरोप है कि वीडियो प्राचार्य की अनुपस्थिति में बनाए गए, जिससे विद्यालय के आंतरिक अनुशासन पर प्रश्नचिह्न लग गया है। साथ ही वीडियो में उप-प्राचार्य की मौजूदगी बताए जाने से प्रशासनिक जवाबदेही पर भी सवाल उठ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि पूर्व में भी संबंधित शिक्षिकाओं और प्राचार्य के बीच विवाद की स्थिति बनी थी। प्राचार्य लंबे समय से विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन के लिए सख्त रुख अपनाने के लिए जानी जाती हैं। कुछ अभिभावकों का आरोप है कि इसी कारण असंतोष की स्थिति बनी और अब लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रही है।

चूंकि यह सहशिक्षा प्रणाली वाला विद्यालय है, इसलिए शिक्षकों के आचरण और सार्वजनिक व्यवहार का विद्यार्थियों पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अभिभावकों का कहना है कि अनुशासन तभी कायम रह सकता है जब नेतृत्व और शिक्षक स्वयं नियमों का पालन करें।

अभिभावकों और जागरूक नागरिकों ने जिला शिक्षा अधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच, वायरल वीडियो की सत्यता की पुष्टि और नियम उल्लंघन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

फिलहाल विद्यालय प्रशासन और शिक्षा विभाग की आधिकारिक प्रतिक्रिया का इंतजार किया जा रहा है, जबकि पूरे जिले में यह मामला चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है।

10 साल के इंतजार के बाद बन रही सड़क में भ्रष्टाचार का डामर, अधिकारियों की चुप्पी पर उठे सवाल

भानुप्रतापपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत दुर्गुकोंदल से कोदापखा तक बन रही लगभग 11 किलोमीटर की सड़क भ्रष्टाचार और विभागीय लापरवाही की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। ग्रामीणों के लंबे संघर्ष और आंदोलनों के बाद स्वीकृत हुई यह सड़क, ठेकेदार की मनमानी और अधिकारियों की कमीशनखोरी के चलते अपनी गुणवत्ता खो रही है। मौके पर निर्माण कार्य की स्थिति बेहद चिंताजनक है। तकनीकी मापदंडों के अनुसार सड़क की नींव यानी डब्लू एम एम का कार्य सही ढंग से नहीं किया गया है। न तो पर्याप्त पानी डाला गया और न ही वाइब्रेट हुआ। ठेकेदार द्वारा बिना डब्लूएमएम को व्यवस्थित किए सीधे इमल्शन डालकर डामरीकरण किया जा रहा है, जिससे सड़क की उम्र पर बड़ा सवालिया निशान खड़ा हो गया है।

फील्ड से गायब इंजीनियर, दफ्तरों में 'आराम' – शुक्रवार को जब डामरीकरण का कार्य चल रहा था, तब विभाग का एक भी जिम्मेदार अधिकारी या इंजीनियर मौके पर मौजूद नहीं था। ग्रामीणों का सीधा आरोप है कि

ठेकेदार को अधिकारियों का पूरा संरक्षण प्राप्त है – निरीक्षण न करने के एवज में अधिकारियों तक मोटी कमीशन पहुँचाई जा रही है। कार्यस्थल पर डामर की गुणवत्ता जांचने के लिए जरूरी मशीनें तक उपलब्ध नहीं हैं। सड़क निर्माण कार्य को ठेकेदार के भरोसे छोड़ कार्यालय में आराम फरमान्ते है अधिकारी।

बिना सूचना बोर्ड के गुपचुप निर्माण – हैरानी की बात यह है कि सड़क निर्माण शुरू होने के बावजूद अभी तक कार्यस्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है। ग्रामीण यह तक नहीं जानते कि सड़क की लागत क्या है और इसमें किस गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग होना है। जब इस संबंध में विभाग से पूछा गया, तो इंजीनियर का तर्क था कि बोर्ड बनने दिया गया है जबकि सड़क बनकर तैयार होने की कगार पर है। लेकिन बोर्ड निर्माण अभी तक नहीं किया गया है।

आंदोलन से मिली थी सड़क, अब भ्रष्टाचार से नाराजगी – कोदापखा क्षेत्र के ग्रामीणों ने इस सड़क के लिए लंबा संघर्ष किया है।

प्रशासन को जगाने के लिए कभी कीचड़ भरी सड़क पर धान की रोपाई की गई, तो कभी दुर्गुकोंदल तक पैदल यात्रा निकाली गई। 10 साल के कड़े इंतजार के बाद मिली सड़क को इस तरह बर्बाद होते देख स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है की जिस बुनियाद पर डामर बिछाया जा रहा है, वह इतनी कमजोर है कि पहली बारिश में ही सड़क उखड़ने लगेगी। यह जनता के पैसे और हमारे संघर्ष का अपमान है।

विधायक ने किबई बालेंगा में 64 छात्राओं को बांटे नि :शुल्क सायकल

कोण्डागांव। बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोंडागांव विधानसभा क्षेत्र की विधायक लता उसेंडी के मुख्य आतिथ्य में ग्राम किबई बालेंगा में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर उन्होंने पर विकासखण्ड कोड़ागांव के शासकीय उच्चत्तर माध्यम विद्यालय किबई बालेंगा 64 छात्राओं को राज्य शासन द्वारा संचालित निःशुल्क सरस्वती सायकल योजना के अंतर्गत सायकलों का एवं खेल सामग्री वितरण किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत किबई बालेंगा गंगामुण्डा में 5 लाख 20 हजार की लागत से बनने वाली 200 मीटर सीसी सड़क का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उसेंडी ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा बहुत जरूरी है। सायकल योजना से ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलेगी, जिससे विद्यालय में उनकी उपस्थिति बढ़ेगी और वे उच्च शिक्षा की ओर अग्रसर होंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रीता सोरी, जनपद पंचायत उपाध्यक्ष टोमेन्द्र ठाकुर, जनप्रतिनिधिगण, अधिकारी-कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

नक्सल छाया से विकास की ओरः नांबी गांव में इको-टूरिज्म से आत्मनिर्भरता की नई पहल

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में अब विकास की नई तस्वीर उभरने लगी है। शासन-प्रशासन की योजनाओं और स्थानीय सहभागिता के चलते कभी नक्सल गतिविधियों के लिए पहचाने जाने वाले क्षेत्रों में अब रोजगार और आत्मनिर्भरता की राह खुल रही है। इसी कड़ी में बीजापुर जिले के पामेड़ क्षेत्र अंतर्गत ग्राम नांबी में इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है।कलेक्टर श्री संबित मिश्रा के दिशा-निर्देश एवं उपनिदेशक इन्द्रावती टाइगर रिजर्व श्री संदीप बलगा के मार्गदर्शन में, इन्द्रावती टाइगर रिजर्व से जुड़े क्षेत्र में [illegible] योजना के तहत तीन दिवसीय सेक्टर स्पेसिफिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 6 फरवरी 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।कार्यक्रम की नोडल एजेंसी छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (CSIDC) रही, जबकि प्रशिक्षण Choice Consultancy Service Pvt. Ltd. द्वारा प्रदान किया गया। जिला प्रशासन एवं वन विभाग के सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में ग्रामीणों को होम-स्टे संचालन, अतिथि सत्कार, स्वच्छता, सुरक्षा मानक, पारंपरिक व्यंजन, पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटकों से व्यवहार से जुड़ी व्यावहारिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान यह भी बताया गया कि इको-टूरिज्म के माध्यम से जंगल, वन्यजीव एवं स्थानीय संस्कृति को संरक्षित रखते हुए स्थायी रोजगार और आय के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। ग्रामीणों ने प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक भाग लिया और इसे अपने गांव के भविष्य के लिए बेहद लाभकारी बताया। ग्रामीणों का कहना है कि इस पहल से नांबी गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। साथ ही बीजापुर जिले की पहचान अब केवल नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में नहीं, बल्कि इको-टूरिज्म और संरक्षण आधारित विकास मॉडल के रूप में स्थापित होने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

डायसन एयररैप, मार्शल स्पीकर्स, आईफोन 17 : क्रोमा में वैलेंटाइन्स डे सेल में सब कुछ मिल रहा है भारी छूट पर!

नईदिल्ली। भारत के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स रिटेलर और टाटा ग्रुप के सदस्य, क्रोमा ने इस वैलेंटाइन्स डे के लिए लाया है अल्टीमेट गिफ्टिंग गाइड, जिसमें आपको मिलेंगे 699 से शुरू होने वाले ढेरों विकल्प। प्रीमियम डिवाइस से लेकर रोज़मर्रा की ज़रूरतों तक, स्मार्टफोन्स, टैबलेट्स, वियरेबल्स, ऑडियो, पर्सनल केयर और बहुत कुछ पर विशेष कीमतें, कैटेगरी डिस्काउंट और क्यूरेटेड बंडल डील्स, आपके प्रियजन के लिए सही गिफ्ट ढूँढना आसान बना देंगे।

वैलेंटाइन्स डे ऑफर्स 6 से 15 फरवरी तक सभी क्रोमा स्टोर्स पर उपलब्ध रहेंगे। ग्राहक कैशबैक और आसान ईएमआई विकल्पों सहित कई रोमांचक लाभों का आनंद ले सकते हैं, जो इस इलेक्ट्रॉनिक्स सेल को और भी शानदार बनाते हैं। सभी कीमतें और ऑफर्स ब्रांड, मॉडल, स्टोर, दिन, शहर और उपलब्धता के आधार पर अलग–अलग हो सकते हैं, और संबंधित बैंक या फाइनेंस पार्टनर की शर्तों के अधीन हैं।

महतारी वंदन योजना से श्यामबती बेटियों का भविष्य कर रही सुरक्षित

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ सरकार की महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना से कोण्डागांव जिले के ग्राम पंचायत बनचपई की निवासी श्यामबती कोर्राम के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। श्यामबती कोर्राम महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। उन्हें इस योजना के अंतर्गत प्रति माह एक हजार रुपये की सहायता राशि नियमित रूप से उनके बैंक खाते में प्राप्त हो रही है। इस आर्थिक सहयोग से वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर पा रही हैं, जिससे उनके जीवन में आत्मविश्वास और संतोष की भावना बढ़ी है।श्यामबती बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि का उपयोग वे अपनी दोनों बेटियों के भविष्य को सुरक्षित करने के लिए सुकन्या समृद्धि योजना के खाते में जमा कर रही हैं। इसके साथ ही वे इस राशि से पौष्टिक आहार भी ले पा रही हैं, जिससे परिवार के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह में रमेश तातेड़ 'सड़क सुरक्षा मितान' के रूप में हुए सम्मानित

केशकाल। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह वर्ष-2026 के अवसर पर यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सड़क दुर्घटनाओं में घायलों की त्वरित सहायता में उल्लेखनीय योगदान देने वाले रमेश तातेड़ को कोण्डागांव पुलिस द्वारा सड़क सुरक्षा मितान के रूप में सम्मानित किया गया है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा की ओर से उन्हें सम्मान-पत्र प्रदान किया गया

सम्मान पत्र में उल्लेख किया गया है कि वर्ष 2025 के दौरान सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को समय रहते मदद पहुंचाने, यातायात व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने तथा पुलिस प्रशासन को अपना अमूल्य सहयोग देने में रमेश तातेड़ की भूमिका सराहनीय रही है। उनके इस सामाजिक योगदान के लिए यातायात पुलिस कोण्डागांव द्वारा उन्हें सड़क सुरक्षा मितान के रूप में सम्मानित किया गया।

सर्पमित्र के रूप में भी निभा रहे अहम भूमिका– रमेश तातेड़ केवल सड़क सुरक्षा तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि वे एक प्रसिद्ध सर्पमित्र भी हैं। अब तक वे सैकड़ों घरों, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों से सांप पकड़ चुके हैं। खास बात यह है कि वे सांपों को नुकसान पहुंचाए बिना उन्हें सुरक्षित तरीके से पकड़कर जंगल में छोड़ देते हैं, जिससे न केवल लोगों की जान बचती है बल्कि वन्यजीव संरक्षण को भी बढ़ावा मिलता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार रात के समय या आपात स्थिति में भी रमेश तातेड़ बिना किसी डर के मौके पर पहुंचकर सांपों का रेस्क्यू करते हैं। उनकी तत्परता के चलते कई परिवारों ने राहत की सांस ली है।

समाज के लिए प्रेरणा बने रमेश तातेड़– सड़क सुरक्षा, मानव सेवा और वन्यजीव संरक्षण, इन तीनों क्षेत्रों में रमेश तातेड़ का योगदान समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। पुलिस प्रशासन ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उम्मीद जताई है कि वे आगे भी इसी तरह समाजहित में कार्य करते रहेंगे।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, सोमवार 09 फरवरी 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

भारत और ईयू वार्ता

डॉनल्ड ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में भारत और ईयू ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। डॉनल्ड ट्रंप के प्रहार झेल रही दुनिया में भारत और यूरोपियन यूनियन (ईयू) ने मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) करके मजबूत संदेश दिया है। ट्रंप के मूड के हिसाब से कभी बंद, तो कभी खुलते अमेरिकी बाजार के दरवाजों से परेशानी के दौर में दोनों पक्षों ने उस वार्ता को अंजाम तक पहुंचाया है, जो 19 वर्षों से खिंच रही थी। इसके बावजूद एफटीए के लागू होने में अभी कम-से-कम एक वर्ष लगेगा। इसके तहत मिलने वाली रियायतों के संपूर्णत: लागू होने में तो सात साल लगेंगे। ईयू में ऐसे समझौतों पर मुहर लगने की प्रक्रिया दुरूह है। मसलन, अब समझौते के प्रारूप का वहां प्रचलित 24 भाषाओं में अनुवाद होगा। संबंधित देशों की हरी झंडी मिलने के बाद यूरोपीय संसद उसे पारित करेगी। उस प्रक्रिया से होकर निकले प्रारूप पर तब जाकर दस्तखत हो पाएंगे। चूंकि विवादास्पद मुद्दों को फिलहाल एफटीए से अलग रखा गया है, इसलिए संभावना है कि उपरोक्त प्रक्रियाएं निर्बाध पूरी हो जाएंगी। कृषि, निवेश संरक्षण, कार्बन टैक्स आदि फिलहाल एफटीए में शामिल नहीं हैं। पिछले वित्त वर्ष में भारत और ईयू के बीच व्यापार 136.5 बिलियन डॉलर का था। एफटीए लागू होने के बाद इसमें 41- 65 प्रतिशत तक वृद्धि होने का अनुमान है। अमेरिका के लगाए टैरिफ से भारत के जीडीपी को 1.6 फीसदी नुकसान का अंदाजा लगाया गया था। संभावना है कि उसमें से लगभग आधे की भरपाई ईयू से बढ़ने वाले व्यापार से हो जाएगी। इससे ईयू के वस्त्र बाजार में भारतीय उत्पाद बांग्लादेश और पाकिस्तान के उत्पादों का बाजार छीन पाएंगे। मगर महंगे वाहनों, नासपाती, कीवी, स्टील, फूड प्रोसेसिंग आदि के भारतीय कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ेगा। बहरहाल, बदलती हुई दुनिया में निर्यात केंद्रित अर्थव्यवस्थाएं ऐसे ही उपायों से अपनी मुश्किलों से निकलने की जद्दोजहद कर रही हैं। पिछले हफ्ते दावो में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने आह्वान किया था कि मध्यम श्रेणी की ताकतें उत्पीड़न से बचने के लिए मिल-जुल कर रास्ता निकालें। उसी तरह की एक राह निकालने की कोशिश भारत-ईयू ने की है। इससे भविष्य को लेकर फिलहाल माहौल में सकारात्मकता आई है। इसमें एक मजबूत संदेश निहित है।

25 वर्षों के भारत चिट्ठे की असलियत....

हरिशंकर व्यास

इक्कीसवीं सदी के पहले पच्चीस वर्ष। ये ढाई दशक मानवता की अमूल्य, अविस्मरणीय अवधि के थे। इसमें मनुष्य के हाथों मनुष्य-समतुल्य कृत्रिम बुद्धि (एआई) बनी तो अंतरिक्ष-ब्रह्माण्ड को भेदने का इंफ्रास्ट्रक्चर भी बना। तब पृथ्वी के सर्वाधिक आबादी वाले भारत में क्या बना? भीड़ और उसकी आवाजाही या कनेक्टिविटी का इंफ्रास्ट्रक्चर। फिर उसी से फैला बाज़ार! ध्यान रहे बीसवीं सदी के आख़िरी दशक में पीवी नरसिंह राव नाम का प्रधानमंत्री भारत को प्राप्त हुआ था। वह बुद्धि और दृष्टि लिए हुए था। सो, उन्होंने नौकरशाहों के समाजवाद (पूंजी, कोटा-परमिट) से भारत को मुक्त कराया। मंत्रालयों में पूंजी, उद्यम, पुरुषार्थ के चक्कर खत्म (घटाए) कराए। उन दिनों चीन में देंग शियाओ पिंग ने जहां देशी-विदेशी पूंजी, शिक्षा-ट्रेनिंग, मेहनत से देश को गढ़ने में इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को धार दी थी तो नरसिंह राव-मनमोहन सिंह ने भी भारत में अवसर खोले थे। राव सरकार ने बतौर मानव संसाधन लोगों को समर्थ बनाने के फ़ैसले लिए। हालांकि उनसे पहले वीपी सिंह ने मंडल-मस्जिद में समाज को भीड़ बनाने के विषाणु फैला दिए थे। तभी लालू यादव, मुलायम सिंह, लालकृष्ण आडवाणी की आरक्षण, धर्म की आग फैली थी। उसी का असर था जो इक्कीसवीं सदी की मिलेनियम पीढ़ी की दिशा बिगड़ी। नौजवान या तो आईटी क्षेत्र के बैक-ऑफ़िस, कुलीगिरी की तरफ दौड़े या आरक्षण की भूख में अंधे होकर सरकारी नौकरी की माया में भटके। मेरा मानना है समाज के भटकने के संग अर्धसाक्षरता की शिक्षा का अटल बिहारी वाजपेयी-डॉ. मुरली मनोहर जोशी का सर्व शिक्षा अभियान वह दूसरा मोड़ था, जिससे पहली कक्षा से बारहवीं तक की शिक्षा से मिलेनियम पीढ़ी की बरबादी बनी। सरकारी स्कूलों का भट्ठा बैठा। प्राइवेट शिक्षा से शिक्षा-असमानता बनी। शिक्षा का कुल नतीजा बुद्धिविहीन आईटी कुलियों, सरकारी नौकरियों की भूख, कुशलता-कौशल के नाम पर बेगार करती नौजवानों की भीड़ थी। न खेती व परंपरागत कौशल में प्रवीण और न पहले जैसे काबिल इंजीनियर-डॉक्टरों का शिक्षण। सो, जेनरेशन दुकान, गुमटी, धंधों में खपी। इसी के ट्रेंड को बूझ कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुंह से निकला था कि दफ़्तर के बाहर पकौड़ा बेचना भी रोज़गार है। मतलब नरसिंह राव-मनमोहन सिंह बनाम नरेंद्र मोदी का बेसिक फ़र्क़ यह भी है जो राव-वाजपेयी-मनमोहन सिंह ने भूमंडलीकरण, वैश्विक ट्रेंड में उत्पादकता, औद्योगिक उत्पादकता, आईटी-सेवा क्षेत्र के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट बनवा इक्कीसवीं सदी के सिनेरियो में दिमाग खपाया। वही नरेंद्र मोदी ने चाय-पकौड़े की गुमटी यानी व्यापार, धंधा, मुनाफ़े में भारत का भविष्य बूझा है। यह उनका दोष नहीं है। गुजरात की तासीर में विकास मतलब व्यापार, धंधा, दुकान, वाणिज्य से मुनाफ़े की सर्वोच्चता से ही सब है। इसी कारण अंबानी-अडानी प्रतिमान हैं। बाक़ी सब जाएं भाड़ में और धंधा, मुनाफ़ा ही परम पुरुषार्थ। सोचें, पिछले तीन वर्षों में अंबानी-रिलायंस ने यूक्रेन संकट में रूस से सस्ता-कच्चा तेल ख़रीद उसे देश-दुनिया को कितना महंगा बेचा? अरबों-खरबों रुपए का मुनाफ़ा कमाया होगा। अब यदि इस धंधे से भारत ट्रंप के टैरिफ़ का मारा है तो अंबानी-रिलायंस का तो कुछ नहीं बिगड़ना है। मगर देश, मोदी सरकार के लिए तो अंबानी सफलता की कहानी है! विषयांतर हो रहा है। मूल बात पर लौटें। भारत ने 1990 से 2000 के बीच अपने् इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण की भूमिका बनाई। राव-मनमोहन सिंह ने हाईवे, एयरपोर्ट, बंदरगाह, संचार व बिजली क्षेत्र को नौकरशाही जकड़न से मुक्त किया। निज पूंजी, उद्यम को स्वतंत्रता दी। इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण शुरू हुआ तो उससे इक्कीसवीं सदी के 25 वर्षों की सतत कोशिश से भारत को क्या प्राप्त है? कह सकते हैं कनेक्टिविटी और बिजली का उजाला है। अर्थात हाईवे के नेटवर्क, संचार, आवाजाही-माल ढुलाई, ऊर्जा में सुगमता है। जैसा भी हो पर इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा है। ऐसा होनी मोदी सरकार से नहीं है। उसका योगदान सरकारों की निरंतरता की मौजूदा कड़ी के नाते है। संयोग था जो नरसिंह राव के सुधारों के बाद की सरकारों में इंफ्रास्ट्रक्चर प्रभारी मंत्री कामकाजी हुए। वाजपेयी सरकार के भुवनचंद खंडूरी हों या कांग्रेस के कमलनाथ-सीपी जोशी या नितिन गडकरी से भारत हाईवे नेटवर्क में गुंथा गया है। इन सभी मंत्रियों ने नौकरशाही को सख़्ती से कसते हुए काम निकालने की धुन में काम किया। ध्यान रहे कांग्रेस ने ही अडानी को पहला बंदरगाह दिया था। ऐसे ही उसने दक्षिण भारत की कंपनियों को हाईवे, एयरपोर्ट, बिजलीघर बनाने के काम सौंपे थे। सरकारों की प्राथमिकता से ही पच्चीस वर्षों का इंफ्रास्ट्रक्चर लेखा है। अब सवाल है कि जिस असल काम के लिए बुनियादी ढांचा बना उसका क्या हुआ? क्या भारत में कारख़ाने खुले, निर्यात बढ़ा? भारत की उत्पादकता बढ़ी? औद्योगिक क्रांति हुई? भारत आत्मनिर्भर बना? ऐसा न होना 25 वर्षों के भारत चिट्ठे की असलियत है। किसी भी अर्थशास्त्री से पूछें, किसी भी विकसित देश की गाथा पढ़ें तो मालूम होगा कि जब भी किसी ने इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया तो उस देश में फैक्ट्रियां खुलीं, रोज़गार बढ़ा। उत्पादकता बढ़ी। निवेश आया और निर्यात बढ़ा। उसी से फिर इंफ्रास्ट्रक्चर की लागत निकली। 25 वर्षों में भारत में उलटा हुआ! औद्योगिकीकरण नहीं हुआ। उलटे 140 करोड़ लोगों की भीड़ से भारत वह बाज़ार बना, जिसके हाईवे, बंदरगाहों, एयरपोर्ट, कम्युनिकेशन ने चीन में बने सामान की माल ढुलाई को आसान बनाया। अंबानी-अडानियों को शॉपिंग मॉल बनाकर, बंदरगाह विकास कर चीन, वियतनाम से टरबाइन या सोलर मशीनरी आदि हर सामान लाकर भारत में खपाने, लगाने, बेचने का धंधा चोखा बना। सो, इंफ्रास्ट्रक्चर से भारत का औद्योगिकीकरण नहीं है। मगर बाज़ार फैला है और लागत वसूली है। लोगों की कनेक्टिविटी बनी तो उसके साथ 140 करोड़ से ही टोल टैक्स, हवाई टिकट, फ़ोन बिल की मनमानी वसूली का रिवाज-कायदा है। एयरपोर्ट-बंदरगाह क्षेत्र में अडानी और इंडिगो बने। फ़ोन-संचार पर जियो-एयरटेल की एकछत्रता हुई। बिजली में अंबानी, अडानी सहित कोलकाता-हैदराबाद की पावर कंपनियों की सरकारी ढांचे के ज़रिए मनमानी बिजली रेट, बिल बने हैं। सन् 2000 से पहले भारतीयों के अनुभव में बिजली न होने या कटौती की शिकायत होती थी। अब घर-घर की शिकायत है कि बिजली-पानी के कितने ज़्यादा बिल आ रहे हैं। सो, उपयोग और कंपनियों की कमाई का वह चक्र है, जिसमें न सस्ता है न स्वदेशी है और न स्वावलंबी भारत है। इंफ्रास्ट्रक्चर भी तमाशा है। नतीजतन एक्सप्रेस वे, हाईवे, स्टेट रोड आदि की दशा, इनके किनारे वही दशा है जो 2000 से पहले पटना से मुज़फ्फरपुर जाते वक्त थी। एक उदाहरण बिहार के हाईवे का है। बिहार के विकास-गौरव का प्रतीक पटना में गंगा किनारे (राजधानी से बाहर निकलने, प्रदेश के सभी रास्तों पर ले जाने के रास्ते) का मरीन ड्राइव यानी जेपी गंगा पथ है। पर यह किससे पटा हुआ है—गुमटियों व ठेलों की दुकानों से। मैं बतौर रिपोर्टर 1984 में पहली बार पटना से मुज़फ्फरपुर गया तो सड़क किनारे की गुमटियों की संख्या, निठल्लों की अड्डेबाज़ी, चाय-छोटे सिंघाड़े (समोसे) का मिला नज़ारा मेरे लिए मनभावक था। चालीस साल बाद उसी नज़ारे की कहानी जेपी गंगा पथ है। जेपी गंगा पथ के किनारों पर ठेलों, गुमटियों से भरा हुआ है। कहते हैं शाम को पांव रखने की जगह नहीं होती। तब और अब के विकास के फर्क का गौरतलब पहलू यह है जो जेपी गंगा पथ की गुमटियों में अब सिंघाड़े की बजाय मोमोज़, चाउमीन, पिज़्ज़ा जैसी वे चीज़ें मिलती हैं जो देसी पकौड़ों से बढ़कर हैं। यह उदाहरण इक्कीसवीं सदी के पच्चीस वर्षों की भारत-प्राप्ति का एक सार है। इंफ्रास्ट्रक्चर बना है पर फैक्ट्रियां नहीं हैं। तो है क्या? जवाब है—बाज़ार।

आलेख

सीपीआई के आधार वर्ष में बदलाव: क्या बदला है और यह क्यों ज़रूरी है

सौरभ गर्ग

महंगाई देश के सबसे अहम आर्थिक संकेतकों में से एक है, जिसे आम लोग रोज़मर्रा की ज़िंदगी में सीधे महसूस करते हैं, जैसे घर का राशन, किराया और पेट्रोल-डीज़ल के खर्च में बढ़ोतरी से। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) इसी महंगाई को मापता है। यह उन चीज़ों और सेवाओं के दाम देखता है, जिनका इस्तेमाल आम परिवार रोज़ करता है। सरल शब्दों में, सीपीआई आम आदमी की ज़िंदगी का आईना है। यह बताता है कि थाली में खाने का खर्च कितना बढ़ा, घर का किराया कितना हुआ, और काम पर जाने के लिए ईंधन कितना महंगा हुआ। सीपीआई भले ही एक आंकड़ा लगता हो, लेकिन यह सरकार को यह समझने में मदद करता है कि लोगों पर महंगाई का असली असर क्या है। इसी आधार पर वेतन, पेंशन और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े फैसले किए जाते हैं, ताकि ज़रूरी चीज़ें आम लोगों की पहुंच में बनी रहें। भारतीय रिज़र्व बैंक भी ब्याज दर और महंगाई को नियंत्रित करने जैसे फैसलों के लिए सीपीआई आधारित महंगाई को ही सबसे मुख्य पैमाना मानता है। इसलिए जब सीपीआई ज़मीन की हकीकत सही तरीके से दिखाता है, तब सरकार और आरबीआई की नीतियाँ भी लोगों की असली परेशानियों के अनुसार बेहतर बन पाती हैं। महंगाई सिर्फ दाम बढ़ने का नाम नहीं है, बल्कि यह भी है कि दामों में बदलाव से घर के बजट पर कितना असर पड़ता है। इसलिए जितना ज़रूरी दामों को मापना है, उतना ही ज़रूरी यह भी है कि महंगाई का सूचकांक लोगों की आज की खर्च करने की आदतों को सही तरीके से दिखाए। इसी संदर्भ में भारत में सीपीआई के आधार वर्ष को 2012 से बदलकर 2024 किया जा रहा है। पिछली बार आधार बदले जाने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में बहुत बदलाव आया है। शहरों की आबादी बढ़ी है, सेवाओं का क्षेत्र बढ़ा है, डिजिटल प्लेटफॉर्म के कारण खरीदारी का तरीका बदला है और घरों का खर्च अब कई नई चीजों पर होने लगा है। इसीलिए नया सीपीआई 2024 तैयार करने में 2023-24 के घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आंकड़ों का इस्तेमाल किया गया है। समय के साथ लोगों की ज़रूरतें और खर्च बदलते हैं, इसलिए सीपीआई में अलग-अलग वस्तुओं और सेवाओं को दी जाने वाली अहमियत भी बदली गई है। जिन चीजों पर अब परिवार ज़्यादा खर्च करते हैं, उन्हें सीपीआई में ज़्यादा महत्व दिया गया है, और जिन पर खर्च कम हो गया है, उन्हें कम महत्व दिया गया है। इससे सीपीआई वही महंगाई दिखाता है, जो सच में आम परिवार के बजट को प्रभावित करती है। साथ ही, उपभोग की टोकरी (कंजम्पशन बास्केट) को भी बदला गया है, ताकि सेवाओं पर बढ़ते खर्च जैसे नए रुझान दिखाई दे सकें, जो बढ़ती आय और बदलती जीवनशैली की वजह से बढ़ रहे हैं। सीपीआई को मापने का तरीका अपडेट करना भी उतना ही ज़रूरी है, जितना यह तय करना कि उसमें क्या-क्या शामिल किया जाए। नया संशोधित सीपीआई अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के ज्यादा करीब है, लेकिन इसमें भारत से जुड़ी खास बातें भी बनी हुई हैं। इससे भारत की महंगाई की तुलना दूसरे देशों से करना आसान हो जाता है। आम परिवार के लिए इसका मतलब यह है कि सरकार और नीति बनाने वाले लोग यह बेहतर समझ पाते हैं कि भारत में दामों में होने वाला बदलाव दुनिया के हालात से कैसे जुड़ा है, और साथ ही यह भी ध्यान रहता है कि रोज़मर्रा की ज़िंदगी पर क्या असर पड़ रहा है। सीपीआई के लिए आंकड़े जुटाने का तरीका भी अब लोगों की बदलती खरीदारी और खर्च की आदतों के अनुसार बेहतर बनाया गया है। जहां पहले की तरह बाजारों से दाम इकट्ठा किए जाते रहेंगे, खासकर खाने-पीने और ज़रूरी चीज़ों के, वहीं 2024 के नए ढांचे में अब कुछ सेवाओं के ऑनलाइन दाम भी शामिल किए जा रहे हैं। जैसे मोबाइल और इंटरनेट सेवाएं, हवाई टिकट और कुछ अन्य सेवाओं के दाम अब ऑनलाइन स्रोतों से भी लिए जाएंगे। नई सीपीआई श्रृंखला में अब कंप्यूटर की मदद से दाम इकट्ठा किए जा रहे हैं। इससे हाथ से होने वाली गलतियाँ कम हुई हैं और तुरंत जाँच भी हो जाती है। इससे दामों से जुड़े आंकड़ों की गुणवत्ता और समय पर उपलब्धता दोनों बेहतर हुई हैं। सीपीआई के आंकड़े सही और समय पर मिलना बहुत ज़रूरी है, क्योंकि इसी के आधार पर ऐसे फैसले होते हैं, जो सीधे आम आदमी की ज़िंदगी को प्रभावित करते हैं, जैसे कर्ज कितना महंगा होगा, बचत पर कितना ब्याज मिलेगा, और बढ़ती महंगाई से घर का बजट कैसे प्रभावित होगा।

जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा को अंजाम गया दिया, वही प्रशिक्षण लेकर सीख रहे हुनर...

- नक्सल पुनर्वास नीति के तहत आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को आजीविका मूलक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा
- मुख्यधारा में लौटने के बाद चौगेल कैंप में दिया जा रहा विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण

तारा शंकर

अगर कुछ कर गुजरने का जज्बा मन में हो तो जीवन में हर काम आसान हो जाता है। इस कथन को आत्मसमर्पित माओवादियों ने चरितार्थ किया है। जिन हाथों ने कभी बंदूक थामकर हिंसा की राह अख्तियार किया था, आज उन्हीं हाथों को राज्य की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत कुशल और दक्ष बनाने की कवायद जिला प्रशासन द्वारा की जा रही है। शासन की मंशानुसार ग्राम चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण देकर 'हिंसा से हुनर' की ओर लौटे माओवादियों को नया जीवनदान मिल रहा है। कभी माओवाद गतिविधियों में संलिप्त रहे युवक-युवतियों को अब ड्राइविंग, सिलाई, काष्ठशिल्प कला, सहायक इलेक्ट्रिशियन जैसे विभिन्न ट्रेड में सतत् प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे वे समाज की मुख्य धारा में लौटने के बाद आजीविका मूलक गतिविधियों में कुशल होकर बेहतर ढंग से सम्मान पूर्वक जीवन निर्वाह कर सके। वर्षों से लाल आतंक के साए में हिंसा का दंश झेल रहा बस्तर संभाग अब विकास की ओर शनैः-शनैः आगे बढ़ रहा है और माओवाद का दायरा धीरे-धीरे सिमटता जा रहा है। छत्तीसगढ़ सहित देश को माओवाद से मुक्ति दिलाने केंद्र सरकार के संकल्प को पूरा करने प्रदेश सरकार हरसंभव प्रयास कर रही है। वहीं हथियार उठाने वालों को भविष्य गढ़ने का सुनहरा अवसर भी सरकार द्वारा दिया जा रहा है। आत्मसमर्पित/पीड़ित नक्सल पुनर्वास नीति-2025 के अंतर्गत उन्हें विभिन्न सृजनात्मक और रोजगारमूलक गतिविधियों के तहत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। भानुप्रतापपुर विकासखंड से लगे ग्राम चौगेल (मुल्ला) का बीएसएफ कैम्प परिसर 'कौशलगढ़' बन गया है, जहां समाज की मुख्यधारा में लौटे 40 आत्मसमर्पित माओवादियों को अलग-अलग पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया जा रहा है, साथ ही उन्हें शिक्षित भी किया जा रहा है। आवश्यकतानुसार कक्षा पहली से आठवीं तक के पाठ्यक्रमों का नियमित अध्ययन कराया जा रहा है, जिसमें रूचि लेते हुए सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपने भविष्य को पूरी शिद्दत से गढ़ने में संलग्न हैं। 20-20 का बैच बनाकर उन्हें हुनरमंद बनाने के सतत प्रयास किए जा रहे हैं। चारपहिया वाहन चालन का प्रशिक्षण ले रहे आत्मसमर्पित माओवादी 40 वर्षीय श्री मनहेर तारम ने बताया कि पिछले दो सप्ताह से उन्हें ड्रायविंग की ट्रेनिंग दी जा रही है, जिसे वे पूरी रूचि के साथ सीख रहे हैं। ट्रेनर द्वारा स्टेयरिंग थामने से लेकर क्लच, ब्रेक व एक्सिलरेटर का प्रयोग करना सिखाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ड्रायविंग सीखने की चाहत अब पूरी हो रही है। इसके अलावा सिलाई और काष्ठशिल्प का प्रशिक्षण कैम्प में दिया जा रहा है। इसी तरह श्री नरसिंह नेताम ने बताया कि वह भी फोरव्हीलर की ड्रायविंग में अपना हाथ आजमा रहे हैं तथा यहां आकर ऐसी गतिविधियों से जुड़ रहे हैं, जिससे आगे का जीवन बेहतर हो सके। 19 साल के सुकदू पद्दा ने बताया कि यहां पिछले तीन महीने से ट्रेनिंग ले रहे हैं और खुद को आजीविका मूलक कार्यों से जोड़ रहे हैं, जबकि वह निरक्षर है। वहीं 19 वर्ष की कु. काजल वेड्दा ने प्रशिक्षण कार्यक्रम का अनुभव साझा करते हुए कहा कि यहां आकर अलग-अलग पाठ्यक्रमों में नियमित रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्हें बचपन से कपड़ों की सिलाई करने की इच्छा थी, यहां आकर वह भी पूरी हो रही है। वहीं शिक्षकां के द्वारा प्राथमिक शिक्षा का भी वह लाभ ले रही हैं। इसी तरह कैंप में रह रहे जगदेव कोमरा, राजू नुरूटी, बीरसिंह मण्डावी, मैनू नेगी, सनऊ गावड़े, मानकी नेताम, सामको नुरूटी, उंगी कोर्राम, रमोती कवाची, मानकेर हुपेंडी, डाली सलाम, गेंजो हुपेंडी सहित सभी आत्मसमर्पित माओवादी अपनी रूचि अनुसार ड्राईविंग, काष्ठशिल्प कला, सिलाई मशीन तथा सहायक इलेक्ट्रिशियन ट्रेड में बेहतर ढंग से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा उनका नियमितरूप से स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यकतानुसार दवाईयां दी जाती हैं। कैम्प में मनोरंजनात्मक गतिविधियां कैरम, वाद्य यंत्र, विभिन्न प्रकार के खेल भी आयोजित किया जाता है। पुनर्वास कैंप के नोडल अधिकारी श्री विनोद अहिरवार ने बताया कि कलेक्टर उत्तर बस्तर कांकेर के निर्देशानुसार आत्मसमर्पित 40 माओवादियों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ते हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में 20-20 के बैच में चौगेल (मुल्ला) कैंप में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और सभी को बेहतर ढंग से प्रशिक्षित किया जा रहा है। भविष्य में मशरूम उत्पादन, बागवानी सहित विभिन्न सृजनात्मक एवं स्वरोजगार मूलक पाठ्यक्रमों में जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विकसित भारत 2047 की ओर स्मार्ट रास्ता-हड़ताल नहीं, बल्कि श्रम संहिता

डॉ. दीपक जायसवाल

पीढ़ियों से, भारत के श्रमिकों ने एक पुरानी और टुकड़ों में बंटी श्रम प्रणाली का बोझ उठाया है, जो अक्सर उनके वेतन, सुरक्षा और कार्यस्थल पर गरिमा की रक्षा करने में विफल रही है। असंगठित, संविदा और उभरते गिग क्षेत्रों के करोड़ों श्रमिक नीति-परिदृश्य में अदृश्य रहे हैं और बुनियादी सामाजिक सुरक्षा से वंचित रहे हैं। चार श्रम संहिताएँ इन ऐतिहासिक अन्यायों का सुधार करने के लिए लंबे समय से प्रतीक्षित प्रयास का प्रतिनिधित्व करती हैं। लगभग तीन दर्जन अलग-अलग कानूनों को एक सुसंगत, एकल ढांचे में लाकर, ये संहिताएँ न्यायसंगत वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल और उन लोगों के लिए सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करने का प्रयास करती हैं, जो लंबे समय से वंचित रहे हैं। वर्षों के परामर्श और बहस के बाद इनका कार्यान्वयन, श्रमिकों के अधिकारों को मजबूत करने तथा अधिक स्थिर और मानवतापूर्ण रोजगार वातावरण बनाने में निर्णायक क्षण का प्रतीक है। एक जिम्मेदार ट्रेड यूनियन संगठन के रूप में, भारतीय ट्रेड यूनियनों का राष्ट्रीय मोर्चा (एनएफआईटीयू), कामगारों की दीर्घकालिक भलाई, गरिमा और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। मोर्चा दृढ़ता से मानता है कि 12 फरवरी को श्रम संहिताओं के खिलाफ हड़ताल में भाग लेना न तो आवश्यक है और न ही वर्तमान समय में श्रमिक वर्ग के सर्वोत्तम हित में है। श्रम संहिताएं कोई अचानक या एकतरफा हस्तक्षेप नहीं हैं। ये दो दशकों से अधिक समय तक चली सुधार प्रक्रिया का परिणाम हैं। 29 अलग-अलग श्रम कानूनों को चार व्यापक संहिताओं में समेकित करने की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी, ताकि अनुपालन को सरल बनाया जा सके, अस्पष्टता को कम किया जा सके तथा कार्य और रोजगार की बदलती वास्तविकताओं के अनुरूप भारत की श्रम रूपरेखा को आधुनिक बनाया जा सके। श्रम संहिताओं को पूरी तरह खारिज करना उन मौलिक लाभों की उपेक्षा करता है, जो वे श्रमिकों को प्रदान करने का प्रयास करती हैं। वेतन संहिता सार्वभौमिक न्यूनतम वेतन कवरेज और समय पर वेतन भुगतान सुनिश्चित करती है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में लंबे समय से मौजूद वेतन सुरक्षा के अंतर को दूर किया जा सकता है। सामाजिक सुरक्षा संहिता, पहली बार, असंगठित, संविदा, गिग और प्लेटफॉर्म श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा की विधायी रूपरेखा तैयार करती है। इन श्रमिकों की संख्या लगभग 40 करोड़ है और पहले ये श्रमिक औपचारिक सुरक्षा व्यवस्था से बाहर थे। ये प्रावधान भारत में श्रमिकों के अधिकारों और सामाजिक सुरक्षा कवरेज का ऐतिहासिक विस्तार प्रस्तुत करते हैं। औद्योगिक संबंध संहिता तथा पेशे से जुड़ी सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य-परिस्थिति संहिता का उद्देश्य औद्योगिक सद्भाव, तेज विवाद निवारण और सुरक्षित, स्वस्थ व अधिक सम्मानजनक कार्यस्थलों को बढ़ावा देना है। कुछ प्रावधानों को लेकर चिंताएँ हो सकती हैं, अनुभव बताते हैं कि व्यापक विरोध और हड़तालों से शायद ही रचनात्मक परिणाम मिलते हैं। संवाद, नियम-आधारित सुधार और मुद्दा-विशेष पर चर्चा के जरिये श्रमिकों के हित बेहतर तरीके से पूरे किये जा सकते हैं, बजाय इसके कि आपस में टकराव हो, जिससे पारिश्रमिक हानि, उत्पादन में रुकावट और रोजगार असुरक्षा का जोखिम पैदा होता है—विशेष रूप से श्रम बल के सबसे कमजोर वर्गों के लिए। यह दावा करना भी गलत है कि श्रम संहिताएँ बिना परामर्श के लागू की गई हैं। सुधार प्रक्रिया में त्रिपक्षीय चर्चाओं के कई दौर, संसद की स्थायी समितियों में विचार-विमर्श और विभिन्न हितधारकों के साथ संवाद शामिल थे। एक लोकतांत्रिक प्रणाली में, मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन इन्हें बातचीत और संस्थागत संवाद के माध्यम से हल किया जाना चाहिए, न कि उन व्यवधानों के द्वारा जो अंतत: स्वयं श्रमिकों को ही नुकसान पहुंचाते हैं। जब भारतीय अर्थव्यवस्था संरचनात्मक रूपांतरण के दौर से गुजर रही है और राष्ट्र विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है, श्रमिक संघों को विघटन के बजाय जिम्मेदार कार्रवाई का चयन करना चाहिए। हमारी भूमिका केवल सुधारों का विरोध करना नहीं है, बल्कि उन्हें इस तरह आकार देना है कि श्रमिकों के अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल पर गरिमा को प्रभावी क्रियान्वयन और सतत सुधार के माध्यम से व्यावहारिक तौर पर मजबूत किया जा सके। श्रमिक संघों की वास्तविक जिम्मेदारी केवल विरोध करना नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि मजदूरों को वास्तविक रूप में जमीनी स्तर पर लाभ हो। अब ध्यान इस बात पर होना चाहिए कि श्रम संहिताओं को न्यायपूर्ण तरीके से लागू किया जाए और इन्हें हर उस मजदूर तक पहुँचाया जाए, जिसे सुरक्षा की आवश्यकता है। हड़ताल की बजाय संवाद, सहयोग और निरंतर सुधार चुनकर, श्रमिक संघ एक ऐसा प्रणाली बनाने में मदद कर सकते हैं, जो श्रमिकों के लिए नौकरी की सुरक्षा, सामाजिक सुरक्षा और गरिमा प्रदान करती हो और साथ ही 2047 तक विकसित भारत की ओर देश की यात्रा का भी समर्थन करती हो।

(लेखक, भारतीय ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय मोर्चा (एनएफआईटीयू) के अध्यक्ष हैं)

पथभ्रष्ट युवा पीढ़ी,जला रही संस्कारों की होली

गुना (विश्व परिवार)। कहते हैं कुम्हार मिट्टी को जैसा आकार देता है वैसा ही घड़ा बन जाता है। जितने भी महापुरुष हुए हैं वे संस्कारों की सीढ़ी पर चढ़कर ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल हुए हैं।संस्कारों से ही संस्कृति की रक्षा होती है। वर्तमान में मां-बाप बच्चे को अच्छे संस्कार देने को जागरुक नहीं है। पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण एवं वर्तमान भौतिक चकाचौंध में वहकर युवा पीढ़ी संस्कार को भूलकर पतन की ओर अग्रसर हो रही है। युवा पीढ़ी को ही पतन के लिए दोषी नहीं ठहरा सकते,कुसंस्कार के लिए हम भी दोषी हैं। बालक को गर्भावस्था में मां से संस्कार मिलते हैं। महान योद्धा अभिमन्यु को चक्रव्यूह में प्रवेश की शिक्षा अपनी माता से गर्भ में मिली थी। संस्कारों से चरित्र का निर्माण होता है। जिसका चरित्र उज्जवल होता है उसकी पूजा होती है। संस्कारों को वृति कहते हैं, वृति से ही

हमारी प्रवृत्ति बनती है। आज से लगभग 50 वर्ष पहले चलकर हम देखें तो बालक को जन्म के साथ ही माता-पिता अच्छे संस्कार प्रदान कर सफल जीवन की ओर बढ़ाते थे। बालक बालिकाओं की सह शिक्षा का निषेध था। बालक बालिकाओं की दैनिक गतिविधियों पर परिवार की पैनी नजर रहती थी। वर्तमान में युवा पीढ़ी में जो संस्कारविहीनता आई है।उनसे आप भली-भांति परिचित हैं। प्रेम विवाह, अंतर्जातीय विवाह, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति, प्रत्येक शनिवार को क्लबों में युवक युवतियों की नाईट आउट पार्टियां,गर्भपात, भ्रूण हत्या, विवाह पूर्व फिल्मांकन, मोबाइल की गंदी आदत से आत्महत्या करना, हुक्का पब क्लबों में नशाखोरी, बिना विवाह किये लिव इन रिलेशनशिप में रहना,माता-पिता को वृद्धा आश्रम में रहने की मजबूरी, अनैतिक तरीके से धन उपार्जन करना। आदि अनेक गलत आदतें युवा पीढ़ी में बढ़ रही है। वर्तमान में युवा पीढ़ी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों पर आसीन हो रहे है। विदेश जाकर नौकरी करने की स्पर्धा चल रही है। मेरा मत है कि हम नौकरी या व्यवसाय करें, मगर हमें अपने मूलभूत संस्कारों का पालन करते हुए कार्य करना चाहिए।आधुनिक संचार क्रांति मोबाइल, इंटरनेट, फेसबुक, इंस्ट्राग्राम,ट्यूटर के जितने लाभ है ।

तारण तरण दिग. जैन चैत्यालय का वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 13 से

पूरे देश से संस्कारधानी पधारेंगे गुरुभक्त जैन बंधुगण

जबलपुर (विश्व परिवार)। सकल तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय ट्रस्ट कमेटी द्वारा संस्कारधानी के शुक्रवारी बजरिया हनुमान ताल में सुंदर एवं मनोहारी श्री तारण तरण दिगंबर जैन चैत्यालय का निर्माण कराया गया। जिसका तीन दिवसीय रत्नत्रय वेदी प्रतिष्ठा, जिनवाणी अस्थाप, कलशारोहण एवं वेदी सूतन तिलक महा - महोत्सव 13 से 15 फरवरी तक आयोजित किया गया है। जिसमें वेदी सूतन करने का सौभाग्य सकल धर्म प्रेमी रामडिनमूरी परिवार को प्राप्त हुआ है।

महोत्सव के मीडिया प्रभारी दीपक राज जैन ने बताया कि यह मंगल महोत्सव सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज के त्यागी व्रती साधकगण, श्रेष्ठिगण, श्रावक - श्राविकाओं की गरिमामय उपस्थित में संपन्न होगा। तीन दिवसीय महोत्सव के सम्पूर्ण आयोजन समवशरण पंडाल फुटाताल स्कूल मैदान में संपन्न होंगे। जिसकी शुद्धि हेतु गुरुवार 12 फरवरी को घटयात्रा निकाली जावेगी।

जिनधर्म प्रचारक नितिन जैन ने बताया कि मंगल महोत्सव में शुक्रवार 13 फरवरी को प्रभात फेरी, सामयिक, मंत्र जप के साथ ध्वजारोहण एवं जिनवाणी अस्थाप समारोह होगा वहीं रात्रि में महिला मंडल एवं बालिका मंडल द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे।

शनिवार 14 फरवरी को प्रभात फेरी, मंत्रजप, मंदिर विधि, दान प्रभावना, जिनवाणी पालकी यात्रा एवं कलशरोहण होगा, रात्रि में उस्मानपुर दिल्ली से पधारे जैन भजन गायक संजीव जैन की भजन संध्या का आयोजन होगा।

रविवार 15 फरवरी को प्रभात फेरी, सामयिक पाठ, मंत्र जप, मंदिर विधि के साथ वेदी सूतन तिलक महोत्सव मनाया जाएगा, जिसकी जोरदार तैयारी आयोजक मंडल द्वारा की गई है, जिसमें सम्मिलित होकर धर्म लाभ लेने की अपील सकल जैन समाज से महोत्सव समिति सहित सकल तारण तरण दिगंबर जैन समाज एवं वेदी सूतन परिवार द्वारा की गई है।

ऋषभदेव जैन मंदिर में महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव समिति के प्रधान कार्यालय का उद्घाटन

विधायक राजेश मूणत रहे मुख्य अतिथि

रायपुर (विश्व परिवार)। भगवान महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव-2026 की तैयारियों को गति प्रदान करते हुए रविवार को सदर बाजार स्थित श्री ऋषभदेव जैन मंदिर परिसर में महोत्सव समिति के प्रधान कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रात: 10 बजे आयोजित इस समारोह में जैन समाज के गणमान्य नागरिकों, पदाधिकारियों और समाजजनों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

कार्यक्रम में पूर्व मंत्री एवं रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने पूजा-अर्चना के पश्चात प्रधान कार्यालय का उद्घाटन कर समिति के प्रयासों की सराहना की और महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जैन समाज के विभिन्न 14 घटकों के अध्यक्ष एवं प्रतिनिधि विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिससे आयोजन की एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश भी प्रसारित हुआ।समिति के अध्यक्ष चंद्रेश शाह, महासचिव गोल्डी लूनिया, कोषाध्यक्ष विकास सेठिया, कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत बैद एवं सचिव आनंद जैन ने बताया कि प्रधान कार्यालय के शुभारंभ के साथ ही महावीर जन्म कल्याणक महोत्सव-2026 की तैयारियों को सुव्यवस्थित रूप से प्रारंभ कर दिया गया है। इस कार्यालय के माध्यम से महोत्सव से जुड़ी सभी गतिविधियों का संचालन, समन्वय एवं योजना निर्माण किया जाएगा, जिससे आयोजन को भव्य, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया जा सके।

उन्होंने आगे बताया कि भगवान महावीर का जन्म कल्याणक जैन समाज का सबसे प्रमुख और पावन पर्व है, जिसे श्रद्धा, भक्ति और सामाजिक एकता के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष महोत्सव को ऐतिहासिक स्वरूप देने के लिए समाज के सभी वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। साथ ही, समाज, धर्म, व्यापार, राजनीति और सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले समाजजनों को जैन समाज रत्न अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा, जिसके लिए जूरी का गठन भी किया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि रायपुर में जैन समाज के सभी घटक एकजुट होकर महावीर जयंती का भव्य आयोजन करते हैं। प्रधान कार्यालय के उद्घाटन के साथ ही महोत्सव की तैयारियों को नई दिशा और गति मिली है।

महेंद्र कोचर,यशवंत जैन, हिरेन वोरा, महावीर कोचर, विजय चोपडा, सिद्धार्थ डागा, अजय काले, दीपक दोशी, आशीष जैन

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज का श्योपुर में हुआ भव्य मंगल प्रवेश

तलबी और स्वार्थी होना आज के आदमी की फ़ितरत बन गई है : अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज

जयपुर (विश्व परिवार)। प्रसिद्ध दिगम्बर जैन संत साधना महोदधि अन्तर्मना आचार्य 108 प्रसन्न सागर महाराज ससंघ का रविवार को श्योपुर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में विशाल जुलूस के साथ भव्य मंगल प्रवेश हुआ । इस मौके पर बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए।

अंतर्मना आचार्य प्रसन्न सागर महाराज जयपुर प्रवास समिति जयपुर के मंत्री चेतन जैन निमोडिया ने बताया कि आचार्य श्री ससंघ सिद्धार्थ नगर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी खण्डाकान् से प्रात: 8.00 बजे मंगल विहार कर टौक रोड़ पर कल्याण नगर व चित्रकूट कालोनी दिगम्बर जैन मंदिर के दर्शन करते हुए पिंजरा पोल गौशाला पहुचे जहां से बैण्ड बाजों के साथ विशाल जुलूस के रुप में रवाना हुए । मार्ग में श्रद्धालुओं द्वारा जगह जगह पाद पक्षालन एवं मंगल आरती की गई ।जुलूस के चांदनी गार्डन पहुचने पर समाज के अध्यक्ष दिलीप पाटनी,

महामंत्री नेमी चन्द बाकलीवाल, मुकेश बनेठा, सतीश माधोराजपुरा, अशोक बाकलीवाल, चेतन जैन निमोडिया, अनिल पाटनी आदि ने पाद पक्षालन एवं मंगल आरती कर भव्य अगवानी की तत्पश्चात धर्म सभा का आयोजन किया गया धर्म सभा में मंगलाचरण के बाद नितिन बनेठा ने दीप प्रज्जवलन तथा अमित गोधा तथा सुरेश सोनी परिवार पाद पक्षालन किये। ऐसा संत ना देखा चक्षु से..... मंगलाचरण के बाद मुनि

नैगम सागर महाराज ने मंगलाचरण किया। उपाध्याय पियूष सागर ने कहा कि उपवास करो स्वस्थ व प्रसन्न रहो।

मुनि सहज सागर ने कहा कि सारी यात्रा बहरात्मा से परमात्मा अन्तरार्त्मा तक की है। उन्होंने कहा कि आचार्य प्रसन्न सागर सर्वश्रेष्ठ साधक है जिन्होंने सम्मेद शिखर पर सिंहनिष्क्रीडित व्रत मौन साधना के दौरान 496 दिन पानी भी नहीं पिया। 557 दिन मौन रहे केवल 61 दिन आहार लिया। उन्होंने कहा कि अपनी अन्तष्ठ क्रिया को जगाने की कोशिश करो।जीवन में परिवर्तन पाप का कारण बनता जा रहा है आचार्य प्रसन्न सागर महाराज ने मंगल प्रवचन में कहा कि भगवान से कभी बुद्धि मत मांगना। नसीब और भाग्य मांगना। किस्मत के धनी ही वैराग्य की ओर बढते है। उन्होंने आगे कहा कि मतलबी और स्वार्थी होना आज के आदमी की फ़ितरत बन गई है..

बारिश रूकने के बाद छतरी, और बेटरी खत्म होने के बाद मोबाइल बोझ लगने लगते हैहम रोज देखते हैं धन, दौलत, नाम ख्याति, पद प्रतिष्ठा बढ़ने के बाद हम अपने स्वजन-सहकर्मियों के साथ अपने मधुर सम्बन्धों को होली के हवाले कर देते हैं।

ध्यान रखना- वस्तु-कार्य और धन दौलत की आयु अल्प कालीन होती है। ये कभी भी धोका दे सकते हैं। इनकी आयु ज्यादा नहीं होती, जबकि सम्बन्धों का नाता दीर्घकालीन होता है। *आपको जानने वाले लोग ज्यादा है या चाहने वाले लोग ज्यादा है लोगों को इससे फर्क नहीं पड़ता कि आपको कितना लोग जानते हैं। बल्कि इस बात से बहुत फर्क पड़ता है कि आप उनकी कितनी फिक्र करते हैं।अच्छे और महान व्यक्ति हमेशा यही विचार करते हैं कि मैं दूसरों के लिये क्या कर सकता हूं।* किसी भी व्यक्ति को सम्मान, आदर देने से हमारा आत्मीय अपनत्व का बैंक खाता सम्पन्न और समृद्ध होता है। इसलिए नेकी करें और भूल जायें। परमात्मा से जो उसका प्रतिफलन मिलेगा उसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।ये दो बातें भूलने में ही हमारा भला है किसी पर उपकार करो तो उपकार करके भूल जाओ, और?? किसी ने तुम्हारा अपकार किया हो तो उसे भी भूल जाओ।भूलने में ही जिन्दगी का आनंद और मस्ती है। क्योंकि *इंसान ही इंसान की दवा है - कोई दुःख देता है तो कोई सुकून बन जाता है।

जैन समाज ने किया भवसागर से तारे ऐसे महामंत्र का सुमिरन

रायपुर (विश्व परिवार)। महामंत्र नवकार जिसमें ही है आस्था, विश्वास और शक्ति का वास, जिसमें समाहित सारा संसार, जिससे होती है शुभ शुरुवात, मिटता कर्मों का अंधकार, मिलता मोक्ष का प्रकाश, ऐसे मंत्र के सुमिरन मात्र से होता भवसागर पार। ऐसे जैन धर्म के सभी आमनाओं में एकरुपेण मान्य शाश्वत महामंत्र नवकार के 9 पदों का सामुहिक जाप सकल जैन समाज द्वारा दिनांक 8 फरवरी 2026, रविवार को प्रात: 9 से 9:48 बजे तक रायपुर नवकार जाप ग्रुप व श्री समरथ जैन श्रावक संघ द्वारा रायपुर, पचपेड़ी नाका स्थित समरथ जैन भवन में आयोजित 26 वें नवकार जाप आयोजन में किया गया। जानकारी देते हुए वीरेंद्र डागा ने बताया कि जाप में 260 से भी अधिक श्रावक-श्राविकाओं ने सहभागिता की विशेषता जाप में बच्चों की सहभागिता भी उल्लेखनीय रही। जाप के समापन पर श्री समरथ श्रावक संघ व समरथ महिला मंडल का बहुमान किया गया। जाप में विशेष रूप से आशीष जैन, राजेन्द्र पारख, वीरेंद्र डागा, धनराज गोलछा, संतोष चोपड़ा, प्रदीप सिंघी, नूतन गोलछा, प्रकाश नाहटा, जैकी संचेती, अभय दुगड़, दीपक कवाड़, कमलेश ललवानी, निकुंज साचला की सहभागिता रही।

छोटे छोटे नियम की शक्ति से आप आत्मा को परमात्मा बनाने का पुरुषार्थ कर सकते हैं : आचार्य श्री वर्धमान सागर जी

पदमपुरा। मनुष्य जन्म बहुत दुर्लभता से प्राप्त होता है, श्री आदिनाथ भगवान से लेकर महावीर स्वामी के तीर्थंकर कुल में आप सब ने जन्म लिया है पदम प्रभ भगवान भी छठे तीर्थंकर है उन्होंने भी राज्य का संचालन किया विरक्ति होने से उन्होंने वैराग्य धारण किया तीर्थंकर भगवान जन्म से मति,श्रुत और अवधि ज्ञान के धारी होते हैं। दीक्षा लेने के बाद उन्हें मन् पर्यय ज्ञान भी प्राप्त हो जाता है तप ,तपस्या के बल पर 8 कर्मों को नष्ट कर केवलज्ञान प्राप्त होता है, और वह सर्वज्ञ हो जाते हैं ।वर्तमान में आप लोग मोबाइल हाथ में रखने से यह समझते हैं कि दुनिया हमारी मुट्ठी में हो गई है ,जबकि त्याग संयम कर भगवान बनने से दुनिया मुट्ठी में होती है।

ग्राम पूरा विरधा में निर्वाण लाडू चढ़ाकर मनाया मूलनायक भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष

विमानोत्सव कार्यक्रम में निकली श्री जी की भव्य शोभा यात्रा।

ललितपुर (विश्व परिवार)। राष्ट्र संत आचार्य प्रवर विद्यासागर महाराज एवं आचार्य समयसागर महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से ग्राम पूरा विरधा में भव्य विमानोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पं. विनोद कुमार शास्त्री बबीना के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह सुपार्श्वनाथ महामंडल विधान का आयोजन किया एवं राजेश जैन एन्ड पार्टी के मधुर संगीत में निर्वाण लाडू चढ़ाकर जैन धर्म के 7वें तीर्थंकर भगवान सुपार्श्वनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मनाया। दोपहर में विमानोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें धर्म प्रभावना के साथ श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। जिसमें तैलीय चित्रों की झाँकी, श्री जी को विमान में लेकर श्रद्धालु बग्गी में धर्मध्वजा लेकर श्रावक श्रेष्ठी डी जे बैंड की धार्मिक धुनों पर नृत्य करते युवा एवं बहुमण्डल वासुपूज्य जिनालय, सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए धर्माबिलम्बी चल रहे थे। ध्वजारोहण श्रीमती रीता भूपेंद्र कुमार जैन सिद्धि सागर एकेडमी ललितपुर ने किया। आचार्य श्री का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन प्रदीप जैन दरगाँय एवं नीरज जैन गोरा परिवार ने किया। तत्पश्चात कलशाभिषेक शांतिधारा का आयोजन किया एवं निर्वाण लाडू चढ़ाया। फूलमाल का सौभाग्य कैलाशचंद गेवरा, मुन्नालाल जैन, पवन कुमार विजय जैन विरधा ने प्राप्त किया। जिसमें पावागिरि क्षेत्र प्रबंध कार्यकारिणी समिति, निकटवर्ती एवं सकल दिगंबर जैन समाज विरधा का सक्रिय सहयोग रहा। संचालन जिनेन्द्र कुमार अजय जैन एवं आभार व्यक्त पुष्पेंद्र कुमार ऋषभ जैन ने किया। भारतीय जैन मिलन वासुपूज्य जिनालय शाखा के अध्यक्ष विशाल जैन पवा ने बताया कि 15 फरवरी रविवार को ललितपुर में जैन मिलन का क्षेत्रीय अधिवेशन है जिसमें सभी शाखाएं अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें।

जहाँ संतों के चरण पडते हैं, वह स्थान तीर्थ बन जाता है : स्वामी वैशम्पायन जी

नांद्रे । स्वामी वैशम्पायन जी द आर्ट ऑफ़ लिविंग के सीनियर इंटरनेशनल फ़ैकल्टी ने कहा की जहाँ संतों के चरण पडते हैं, वह स्थान तीर्थ बन जाता है 7 नांद्रे की धर्मधरा पर इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हो रहा है। पट्टाचार्य विशुद्ध सागर महाराज जी के शिष्य -प.पू. मुनि श्री 108 सारस्वत सागर जी महाराज,प.पू. मुनि श्री 108 जयंत सागर जी महाराज,प.पू. मुनि श्री 108 सिद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में भव्य पंचकल्याणक महोत्सव संपन्न हुआ।आचार्य वर्धमान सागर महाराज जी के शिष्य छोटे विद्यासागर महाराज जी ने भी इस पूरे महोत्सव के दौरान अपना पावन सानिध्य प्रदान किया।नांद्रे में पंचकल्याणक महोत्सव की धूम 7 जैन धर्म प्रचारक अभिषेक अशोक पाटील कोल्हापुर ने बताया कि नांद्रे में 2 से 8 फरवरी तक पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

इस महोत्सव में देशभर से हजारों की संख्या में श्रावक और श्रेष्ठी जन सम्मिलित हुए।पूज्य गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी के शिष्य स्वामी वैशम्पायन जी द आर्ट ऑफ़ लिविंग के सीनियर इंटरनेशनल फ़ैकल्टी नांद्रे पंचकल्याणक में पधारे थे

स्वामी वैशम्पायन जी ने ऑस्ट्रेलिया, बोस्निया, बुल्गारिया, क्रोएशिया, जर्मनी, हंगरी, भारत, केन्या, नेपाल, मेसिडोनिया, रूस, रोमानिया, स्लोवेनिया, सर्बिया और मोंटेनेग्रो में वेलनेस सत्र आयोजित किए है स्वामी वैशम्पायन जी ने गुरुदेव श्री श्री रविशंकर जी का संदेश पढ के बताया की - नांद्रे (महाराष्ट्र) स्थित 1008 भगवान महावीर जैन दिगंबर मंदिर में आयोजित पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव के इस पावन अवसर पर मैं सभी श्रद्धालुओं एवं आयोजकों को हृदय से शुभकामनाएँ देता हूँ।

पंचकल्याण प्रतिष्ठा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, अहिंसा, करुणा और आत्मजागरण का उत्सव है। भगवान महावीर के जीवन के पाँच कल्याणक हमें स्मरण कराते हैं कि सत्य, संयम और करुणा के मार्ग पर चलकर ही व्यक्ति और समाज में स्थायी शांति स्थापित हो सकती है। आज के समय में, जब संसार अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब भगवान महावीर का संदेश — अहिंसा परमो धर्म: — और भी अधिक प्रासंगिक हो जाता है। यह महोत्सव सभी के जीवन में शांति, सद्भाव और आध्यात्मिक उन्नति का प्रकाश फैलाए, यही मेरी कामना है।

मैं प्रार्थना करता हूँ कि यह प्रतिष्ठा महोत्सव सभी के जीवन में मंगल, स्वास्थ्य और आनंद लेकर आए तथा समाज में नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करे।

जय जिनेन्द्र।

प्रेम एवं आशीर्वाद,

श्री श्री रविशंकर

स्वामी वैशम्पायन जी ने सारस्वत सागर जी महाराज सहित मुनी संघ के दर्शन करके आशिर्वाद प्राप्त किया 7 स्वामी वैशम्पायन जी का नांद्रे पंचकल्याणक महोत्सव समिती द्वारा सम्मान किया 7

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

प्रादेशिकी

रायपुर, सोमवार 09 फरवरी 2026

मुख्यमंत्री कन्या विवाह कार्यक्रम से पहले सियासी संग्राम, जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा पर भड़का विवाद

अधिकारी राज हावी होने का आरोप, नपाध्यक्ष ने महिला बाल विकास अधिकारी पर साधा निशाना, माफी नहीं तो प्रदेश स्तर तक ले जाने की चेतावनी

बालोद। जिला मुख्यालय में आगामी 10 फरवरी को आयोजित होने वाला मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत वृहद सामूहिक विवाह कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही विवादों में घिर गया है। शहर के एक निजी राइस मिल में आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम को लेकर पहले से चर्चा चल रही थी, लेकिन अब आयोजन में जनप्रतिनिधियों की कथित उपेक्षा ने मामले को राजनीतिक और प्रशासनिक टकराव में बदल दिया है। दरअसल, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा कार्यक्रम के लिए जारी किए गए आमंत्रण पत्र में नगर पालिका परिषद बालोद के सभापति और महिला बाल विकास समिति की सभापति गोमती रात्रे का नाम शामिल नहीं किए जाने से जनप्रतिनिधियों में नाराजगी खुलकर सामने आ गई है। इस मुद्दे को लेकर सभापति गोमती रात्रे सहित पार्षद गोकुल ठाकुर, प्रीतम साहू, पुष्पा साहू और श्यामा यादव ने कलेक्टर से मुलाकात कर विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। उन्होंने आमंत्रण पत्र को संशोधित कर जनप्रतिनिधियों का नाम शामिल करने की मांग की है। गोमती रात्रे ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर सुनवाई नहीं हुई तो वे मामले को प्रदेश स्तर तक ले जाएंगी।

डीपीओ नही करते कॉल रिसीव : प्रतिभा

वहीं इस पूरे विवाद में नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिभा चौधरी भी खुलकर सामने आ गई हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना को गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए सरकार की मंशा की सराहना की, लेकिन महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारियों द्वारा जनप्रतिनिधियों की अनदेखी लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ है। नपाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि मामले की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने महिला एवं बाल विकास अधिकारी समीर पांडे से संपर्क करने के लिए कई बार फोन किया, लेकिन अधिकारी ने कॉल रिसीव नहीं किया और न ही वापस संपर्क किया। उन्होंने इसे जनप्रतिनिधियों का अपमान बताते हुए कहा कि विभाग को आदिवासी महिला जनप्रतिनिधि का नाम आमंत्रण पत्र में शामिल करने में आखिर क्या परेशानी है। उन्होंने कहा कि यदि उनके पीआईसी सदस्य और पार्षद का सम्मान नहीं किया जाता तो इसे वे व्यक्ति गत अपमान मानती हैं। प्रतिभा चौधरी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे इस योजना या कार्यक्रम का विरोध नहीं करेंगी क्योंकि यह बेटियों के विवाह से जुड़ा संवेदनशील विषय है, लेकिन अधिकारियों की मनमानी और जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा को कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने मांग कि संबंधित अधिकारी जनप्रतिनिधियों से सार्वजनिक रूप से माफी मांगें, अन्यथा इस मुद्दे को उच्च स्तर तक उठाया जाएगा।

मामला पकड़ा सियासी तूल

अब यह मामला प्रशासन और सत्तापक्ष के जनप्रतिनिधियों के बीच टकराव का रूप लेता नजर आ रहा है। ऐसे में सभी की निगाहें प्रशासन के अगले कदम पर टिकी हुई हैं कि वह विवाद को सुलझाने के लिए क्या रुख अपनाता है और क्या जनप्रतिनिधियों की नाराजगी दूर हो पाती है या यह मामला और ज्यादा सियासी तूल पकड़ता है। बहरहाल, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना जैसे सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम के बीच उभरा यह विवाद प्रशासनिक कार्यप्रणाली और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी को लेकर कई सवाल खड़े कर रहा है।

ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर उड़नदस्ता टीम की कार्रवाई, 13 नग मोटर पंप जब्त

बेमेतरा। ग्रीष्मकालीन धान की अवैध सिंचाई पर प्रभावी नियंत्रण हेतु प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी एवं सघन कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीते दिवस विभागीय उड़नदस्ता टीम द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई करते किसानों को पकड़ा गया। उड़नदस्ता टीम ने कार्रवाई करते हुए ग्राम ताकम से 07, पाथरपूंजी से 02, सिंवार से 01 तथा सलधा से 03 नग मोटर पंप जप्त किए। इस प्रकार कुल 13 नग पंप जप्त कर नियमानुसार जब्ती की कार्यवाही की गई। जांच के दौरान पाया गया कि संबंधित कृषकों द्वारा जल संरक्षण एवं शासन के निर्देशों की अवहेलना करते हुए प्रतिबंधित अवधि में ग्रीष्मकालीन धान की सिंचाई की जा रही थी, जिससे भू-जल स्तर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका बनी हुई है। प्रशासन द्वारा पूर्व में ही किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर वैकल्पिक फसलों की खेती अपनाने एवं जल के विवेकपूर्ण उपयोग हेतु निर्देशित किया गया है। विभागीय अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जल संरक्षण अधिनियम एवं संबंधित आदेशों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। साथ ही कृषकों से अपील की गई है कि वे शासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए जल का सदुपयोग करें तथा वैकल्पिक, कम पानी वाली फसलों की ओर अग्रसर हों। प्रशासन ने यह भी चेतावनी दी है कि भविष्य में अवैध सिंचाई पाए जाने पर दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ संबंधित उपकरणों की जब्ती की कार्यवाही और कड़ी की जाएगी।

बालोद जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन से की मुलाकात

दल्लीराजहरा। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा बालोद जिला अध्यक्ष श्याम जायसवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार के उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन से मुलाकात कर बालोद जिले के दल्लीराजहरा, डौंडी व चिखलाकसा के आस पास के गांव में जमीन चिह्नांकित कर औद्योगिक क्षेत्र घोषित करने की मांग रखी है।श्याम जायसवाल ने इन क्षेत्रों के आस पास में उद्योगों की स्थापना की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ सकें। श्याम जायसवाल ने कहा कि बालोद जिला में सबसे ज्यादा जनसंख्या नगर पालिका दल्लीराजहरा की है। साथ ही यहां बीएसपी सहित कई कंपनी खनन का कार्य कर रहे हैं। जिससे यहां सरकार की इन्फ्रास्ट्रक्चर पहले से मजबूत है। दल्लीराजहरा में रेल नेटवर्क व अच्छी सड़क है, साथ ही डौंडी ब्लॉक में ग्राम नर्रांटोला के में बीएसपी द्वारा निर्मित 40 एकड़ की हवाई पट्टी है। जिसे विमानन मंत्रालय को हस्तांतरण की प्रक्रिया चल रही हैं। भविष्य में विमान सेवा शुरू किए जाने पर वायुमार्ग कनेक्टिविटी भी हो जाएगी आस पास सैकड़ों गांव है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए दल्लीराजहरा, चिखलाकसा, डौंडी के आस पास की जमीन चिह्नांकित कर औद्योगिक क्षेत्र घोषित करते हैं। तो निश्चित तौर पर यहां कई निजी उद्योग स्थापित होगे जिससे हमारे युवाओं को रोजगार उपलब्ध होगा। रोजगार के लिए उन्हें अन्यत्र कहीं नहीं जाना पड़ेगा। उद्योग मंत्री लखन देवांगन ने इस प्रस्ताव पर विचार करने और उचित कार्यवाही का भरोसा दिलाया है।

सप्तगिरि पार्क दल्लीराजहरा में होगा 10 फरवरी को फ्लावर शो

दल्लीराजहरा। बीएसपी नगर प्रशासक विभाग के अंतर्गत आने वाले सप्तगिरि पार्क में फ्लावर शो 2026 का आयोजन 10 फरवरी 2026 को हो रहा है। इस आयोजन के लिए नगर प्रशासक से संबंधित इलेक्ट्रिकल विभाग सिविल विभाग जलप्रदाय विभाग एवं सप्तगिरी पार्क विभाग के कर्मचारी पूरे जोर-शोर से लगे हुए हैं। नगर प्रशासक मंगेश सेलकर ने बताया कि बीएसपी के पूरे विभाग के द्वारा फ्लावर शो के तैयारी के लिए सहयोग किया जा रहा है द्य फ्लावर शो को बेहतर बनाने के लिए सभी कर्मचारी भरपूर मेहनत कर रहे हैं। लोग फ्लावर शो की तैयारी में अपने घर के बगीचे को सजाने में लग गए हैं। विभिन्न प्रकार के देशी व विदेशी फूल लगाए हैं। कुछ पौधे बाहर से मंगाए हैं। स्थानीय बाजार से भी पौधे खरीद कर क्यारी और गमले में लगाए हैं। कोई माली के माध्यम से तो कोई खुद अपना गार्डन तैयार करते हैं। दिसंबर से ही पौधों में फूल खिलना शुरू हो जाता है। टाउनशिप के अधिकांश क्वार्टर में हर तरफ फूल ही फूल नजर आ रहे हैं। नगर प्रशासन विभाग राजहरा के द्वारा फ्लावर शो-2026 के आयोजन किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिता रखी गई है जो इस प्रकार से है- जैसे फ्लावर डेकोरेशन वेजिटेबल फ्रुट बास्केट, कट फ्लावर, पॉटेड प्लांट, रंगोली प्रतियोगिता चार कैटेगरी में होगा जिसमें हाई स्कूल 9वीं से 12वीं तक मिडिल स्कूल आठवीं तक सामान्य एवं प्रोफेशनल है।

नियम व शर्तें

सभी वर्ग में प्रवेश के लिए एक आवास के लिए प्रतियोगी द्वारा एक ही फार्म भरा जायेगा। प्रतियोगी को टीक मार्क (?) लगाना होगा जिसमें वह भाग लेना चाहता है। सभी वर्गों के लिये (क्र. 6 से 24 तक) अंतिम तिथि 09-02-2026 समय दोपहर 1:00 बजे तक।. प्रतियोगी को सज्जा सामान स्वयं लाना होगा, प्रदर्शनी के लिये तथा साज सज्जा समय सुबह 10:00 बजे तक समाप्त कर लेना होगा। निर्णय 11:00 बजे से शुरू किया जायेगा, निर्णायक का फैसला अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। प्रतियोगी रात 8:00 बजे से अपने प्रदर्शित सामग्री को ले जा सकते हैं। उसके बाद नगर प्रशासन विभाग की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। पॉटेड प्लांट के लिए प्रतियोगियों को स्वंय ही लाने एवं ले जाने की व्यवस्था करनी होगी। व्यवस्थापकगण यथा संभव सुरक्षा का प्रयत्न करेंगे परन्तु किसी प्रकार की हानि की दशा में व्यवस्थापक जिम्मेदार नहीं होंगे। सभी प्रवेश को विशेष नम्बर दिया जायेगा। इसके अलावा अन्य कोई पहचान मार्क/स्लोगन/नाम इत्यादि लिखने की मनाही है।

फ्लावर हेतु कांच की बोतल साथ में लावें

एक परिवार केवल 4 प्रविष्टि में भाग ले सकते हैं। लेकिन प्रत्येक प्रविष्टि में एक से अधिक सदस्य के नाम स्वीकार नहीं किये जायेंगे। सांस्कृतिक कार्यकम में भाग लेने हेतु केवल 09 फरवरी 2026 को प्रातः 9.00 बजे से 12:00 बजे तक सप्तगिरी उद्यान में संपर्क करें। आवेदन, निर्धारित तिथि तक ही जमा लिया जायेगा उसके बाद आवेदन स्वीकार नहीं किये जायेंगे। अन्य जानकारी के लिए सम्पर्क करें।

कोलिहापुरी में 8 व 9 फरवरी को रामायण सम्मेलन आयोजित

डोंगरगांव नगर। विधानसभा क्षेत्र के ग्राम कोलिहापुरी में रामायण प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। जय श्रीराम मानस नवयुवक मंडल के बैनरतले एवं ग्रामवासियों के सहयोग से आयोजित रामायण सम्मेलन 8 से 9 फरवरी तक आयोजित है। उक्त सम्मेलन में राज्य की प्रमुख मानस मंडलियाँ सम्मिलित होंगी। आयोजन समिति के अनुसार शुभारंभ 8 फरवरी रविवार को सुबह 10 बजे होगा। इस मौके पर मुख्यअतिथि कोमल सिंह राजपूत भाजपा जिलाध्यक्ष राजनांदगांव होंगे। अध्यक्षता दिनेश गांधी पुर्व जिपंअध्यक्ष दिनेश गांधी, विशिष्ट अतिथि प्रशांत कोडापे, भूपेंद्र वर्मा, मदन लाल देवांगन एवं ताराचंद सिन्हा उपस्थित रहेंगे। पश्चात आर्मत्रित मानस मंडलियो की सुमधुर व भावपूर्ण प्रस्तुति होगी। निर्णायकों के मतानुसार प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त मानस मंडली को सम्मानित किया जाएगा।

आयोजकों ने बताया कि समापन समारोह 9 फरवरी को रात्रि 9 बजे से आयोजित होगा। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि दलेश्वर साहू विधायक डोंगरगांव होंगे। अध्यक्षता भावेश सिंह करेंगे। विशिष्ट अतिथि मंजू नरेंद्र वर्मा, चेतन वर्मा, मदन लाल देवांगन सहित समस्त समस्त ग्राम पंचायत के पंचगण सम्मिलित होंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना बनी गरीब परिवारों की बेटियों का संबल

10 फरवरी को 251 जोड़ों का सामूहिक विवाह

कवर्धा। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की बेटियों के लिए उम्मीद और सम्मान का मजबूत आधार बनकर सामने आई है। हर माता-पिता का सपना होता है कि वे अपनी बेटी का विवाह गरिमा और सामाजिक सम्मान के साथ कर सकें, लेकिन आर्थिक सीमाएं कई बार इस सपने को कठिन बना देती हैं। ऐसे समय में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना ने जरूरतमंद परिवारों को राहत और भरोसा दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से इस योजना के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता राशि को 25 हजार रुपये से बढ़ाकर 50 हजार रुपये किया गया है, जिससे गरीब परिवारों को और अधिक संबल मिल रहा है। जिले में बीते दो वर्षों के दौरान अब तक 724 जोड़ों का विवाह इस योजना के तहत सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा चुका है। इसी क्रम में 10 फरवरी को कबीरधाम जिले के सरदार वल्लभभाई पटेल मैदान में आयोजित होने वाले भव्य सामूहिक विवाह समारोह में लगभग 251 कन्याओं का विवाह संपन्न कराया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय इस अवसर पर वर्चुअल रूप से जुड़कर नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देंगे और कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। सामूहिक विवाह समारोह की तैयारियां प्रारंभ हो चुकी हैं। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं ताकि यह आयोजन पूर्ण गरिमा, अनुशासन और उत्सवपूर्ण वातावरण में संपन्न हो सके। इस योजना के तहत वैवाहिक संस्कार विधिवत रूप से पूरे किए जाते हैं और जिला प्रशासन अभिभावक की भूमिका निभाते हुए भोजन, पंडाल, वस्त्र एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं करता है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का मुख्य उददेश्य गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में आर्थिक सहयोग प्रदान करना, सामाजिक सुरक्षा को सुदृढ़ करना और बेटियों के सम्मानजनक भविष्य को सुनिश्चित करना है।

डीएवी एमपीएस में जागरूकता एवं परीक्षा मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन

बेमेतरा। जिले का एक मात्र डी.ए.वी.स्कूल जांता, बेमेतरा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, सामाजिक जागरूकता एवं नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करने के उददेश्य से आओ छू लें आसमान को, परीक्षा टिप्स, परीक्षा पे चर्चा एवं जागरूकता विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीएसपी बेमेतरा कौशल्या साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। उनके साथ पुलिस विभाग बेमेतरा से वर्षा चौबे प्रधान आरक्षक तथा नोडल अधिकारी बलदाऊ पटेल भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि कौशल्या साहू डीएसपी ने अपने प्रेरणादायी उदबोधन में छात्राओं को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने, अपनी योग्यता बढ़ाने तथा आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि बेटियों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से मजबूत बनना चाहिए तथा किसी भी परिस्थिति में सजग व सतर्क रहकर स्वयं को सुरक्षित रखना चाहिए। साथ ही उन्होंने बालको में भी यह समझ विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि लड़का और लड़की समान हैं तथा समाज में बेटियों, महिलाओं को समानता का अधिकार मिलना चाहिए। उन्होंने पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन, कर्तव्यों के पालन, बड़ों का सम्मान करने और स्वयं प्रसन्न रहकर जीवन जीने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच अपनाने, समय-सारणी बनाकर अध्ययन करने तथा आत्म-अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की सलाह दी गई। परीक्षा मार्गदर्शन सत्र में विद्यार्थियों को बताया गया कि प्रतिस्पर्धा दूसरों से नहीं बल्कि स्वयं से होनी चाहिए। आज का कार्य कल पर न छोड़ने, पाठ्यक्रम को समय पर पूर्ण करने, लक्ष्य निर्धारित करने और लक्ष्य प्राप्ति में आने वाली बाधाओं को दूर करने के उपाय बताए गए। उन्होंने यह भी समझाया कि केवल आसान और आकर्षक रास्तों के पीछे भागने के बजाय कठिन मार्ग अपनाने से ही दीर्घकालिक सफलता प्राप्त होती है। डी एस पी एवं प्रधान आरक्षक दोनों ने जागरूकता सत्र के दौरान गुड टच और बेड टच, पॉक्सो अधिनियम, नशा अपराधों एवं अन्य अपराधों से संबंधित जानकारी दी गई तथा उनके दुष्परिणामों पर विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस विभाग के प्रतिनिधियों द्वारा यातायात नियमों, सड़क सुरक्षा, हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम में भाईचारे, एकजुटता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया गया तथा विद्यार्थियों को एक जागरूक, अनुशासित एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। इसी अवसर पर विद्यालय में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के लिए शुभकामना दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आगामी बोर्ड परीक्षा हेतु विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी गईं। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने छात्रों का मनोबल बढ़ाते हुए उन्हें पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य पी.एल. जायसवाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। उन्होंने सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डीएसपी बेमेतरा कौशल्या साहू के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रेरणादायी मार्गदर्शन से विद्यार्थियों को जीवन की सही दिशा मिली है। साथ ही उन्होंने पुलिस विभाग बेमेतरा के वर्षा चौबे प्रधान आरक्षक बेमेतरा पुलिस विभाग आभार व्यक्त किया व नोडल अधिकारी शबलदाऊ पटेल सहित समस्त उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का धन्यवाद किया, जिन्होंने विद्यार्थियों को जागरूकता, अनुशासन एवं सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। आगे उन्होंने विद्यार्थियों की ओर से यह विश्वास दिलाया कि वे अतिथियों द्वारा बताए गए मार्गदर्शन, मूल्यों एवं आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करेंगे तथा अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच के साथ अपने लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए निरंतर प्रयास करते रहेंगे। अंत में उन्होंने कहा कि इस प्रकार के जागरूकता एवं मार्गदर्शन कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं और विद्यालय भविष्य में भी ऐसे उपयोगी कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। उन्होंने मुख्य अतिथि, पुलिस विभाग के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए विद्यार्थियों की ओर से यह विश्वास दिलाया कि वे अतिथियों द्वारा बताए गए मार्गदर्शन एवं मूल्यों को अपने जीवन में अपनाकर आगे बढ़ेंगे। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं उपयोगी सिद्ध हुआ।

भूमि जल संरक्षण को लेकर बेमेतरा में एक दिवसीय जिला स्तरीय कार्यशाला

केंद्रीय जल बोर्ड के विशेषज्ञों ने जल संचयन, पुनर्भरण एवं प्रबंधन पर दिया तकनीकी मार्गदर्शन

बेमेतरा। गिरते हुए भूमि जल स्तर के कारण बेमेतरा जिले को क्रिटिकल श्रेणी में चिह्नांकित किया गया है। इसके चलते जिले में न केवल सिंचाई व्यवस्था प्रभावित हो रही है, बल्कि पेयजल संकट भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। इस चुनौती से निपटने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा निरंतर जन-जागरूकता गतिविधियाँ संचालित की जा रही हैं तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत जल संरक्षण से संबंधित संरचनाओं का निर्माण किया जा रहा है। निर्मित एवं निर्माणाधीन जल संरक्षण संरचनाओं की उचित स्थल पहचान, तकनीकी गुणवत्ता एवं दीर्घकालिक प्रभावशीलता सुनिश्चित करने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए केंद्रीय जल बोर्ड, उत्तर मध्य छत्तीसगढ़ क्षेत्र, रायपुर के क्षेत्रीय निदेशक एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा जिला पंचायत बेमेतरा के सभाकक्ष में भूमि जल भंडारण विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में जिला स्तरीय समस्त अधिकारी, विकासखंड स्तर से मनरेगा अधिकारी एवं कर्मचारी, तकनीकी अमला सहित संबंधित विभागों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यशाला का उद्देश्य विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल संरक्षण के महत्व, वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं व्यवहारिक उपायों के प्रति प्रशिक्षित करना था, ताकि योजनाओं का क्रियान्वयन अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सके।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान जल संचयन, भू-जल पुनर्भरण, वर्षा जल संरक्षण, जल संरचनाओं की डिज़ाइन एवं निर्माण में तकनीकी बारीकियाँ, तथा स्थानीय भू-भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप जल प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेषज्ञों द्वारा यह भी बताया गया कि वैज्ञानिक पद्धति से निर्मित संरचनाएँ किस प्रकार लंबे समय तक भू-जल स्तर को स्थिर रखने में सहायक सिद्ध होती हैं। कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जल संरक्षण से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं पर्यावरणीय लाभों की जानकारी दी गई तथा जिले में जल संकट से निपटने के लिए समन्वित प्रयासों पर बल दिया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बेमेतरा, जल संसाधन विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, प्रदान संस्था, तथा जनपद पंचायतों से जनपद सीईओ, कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी सहायक, एवं चयनित ग्राम पंचायतों के सरपंच एवं रोजगार सहायक उपस्थित रहे।यह कार्यशाला जिले में स्थायी जल प्रबंधन एवं भू-जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित होगी।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, सोमवार 09 फरवरी 2026

अन्न दान से लेकर विद्या दान, हिंदू धर्म में बताए गए हैं दान के 4 प्रकार

हिंदू धर्म और भारतीय संस्कृति में दान को केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि मोक्ष प्राप्ति और मानवता की सेवा का सबसे बड़ा मार्ग माना गया है। शास्त्रों के अनुसार, दान से न केवल पुण्य फल मिलता है, बल्कि यह जीवन के कष्टों और ग्रह दोषों से भी मुक्ति दिलाता है। मुख्य रूप से दान के चार सर्वश्रेष्ठ प्रकार बताए गए हैं।

आहार दान (अन्न दान)

भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ी सेवा है। अन्न दान को एक पुण्यकारी सेवा माना गया है क्योंकि यह तात्कालिक रूप से व्यक्ति को तृप्ति प्रदान करता है। इसे जीवन दान के समान माना गया है।

औषधि दान (स्वास्थ्य दान)

बीमार व्यक्ति को दवाइयां उपलब्ध कराना या उसकी चिकित्सा में मदद करना औषधि दान कहलाता है। शास्त्रों के अनुसार, औषधि दान अन्न दान से भी बेस्ट है क्योंकि यह व्यक्ति को कष्टों और रोगों से मुक्ति दिलाकर उसे राहत प्रदान करता है।

ज्ञान दान (विद्या दान)

शिक्षा और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार करना सबसे उत्तम दान है। किसी गरीब बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना या ज्ञानवर्धक पुस्तकों को बांटना व्यक्ति का भविष्य संवारता है। यह दान न केवल दानकर्ता को यश दिलाता है, बल्कि मोक्ष प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

अभय दान (सुरक्षा दान)

किसी डरे हुए व्यक्ति या जीव को भयमुक्त करना और उसकी रक्षा करना अभय दान है। जैन धर्म में इसे दानों का राजा कहा गया है। किसी के प्राण बचाना या ऐसा आचरण करना कि आपकी वजह से कोई भयभीत न हो, महानतम दान की श्रेणी में आता है।

हवन की बची हुई राख का क्या करें?

इन उपायों से बदल सकती है किस्मत

हिंदू धर्म में पूजा से जुड़ी किसी भी सामग्री का विशेष महत्व होता है और उन सभी सामग्रियों को बहुत पवित्र माना जाता है। यही नहीं पूजा के बाद बची हुई सामग्रियों को भी विशेष स्थान दिया जाता है। ऐसे ही घर में जब भी हवन होता है तब हम उसकी बची हुई राख का इस्तेमाल सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

हवन को अत्यंत पवित्र और शुभ कर्म माना गया है। हवन के दौरान अग्नि में डाली गई समिधा, जड़ी-बूटियां और घी वातावरण को शुद्ध करते हैं और आस-पास के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। अक्सर हमारे मन में यह सवाल जरूर आता है कि हवन की राख का क्या करना चाहिए? क्या आप इसे नदी में प्रवाहित कर सकती हैं या इससे कुछ अन्य उपाय किए जा सकते हैं? ऐसा कहा जाता है कि यदि आप हवन की बची हुई राख से ज्योतिष के कुछ उपाय आजमाती हैं तो आपके जीवन में खुशहाली बनी रहती है। आइए ज्योतिर्विद पंडित रमेश भोजराज द्विवेदी से जानें हवन की बची हुई राख का क्या करना चाहिए और इससे आप कौन से ज्योतिष उपाय कर सकती हैं।

अत्यंत पवित्र मानी जाती है हवन की राख

ज्योतिष में हवन की राख को बहुत पवित्र माना जाता है क्योंकि यह अग्नि देव के साक्षात संपर्क में आती है। इसमें कई पवित्र लकड़ियों का इस्तेमाल होता है और इन्हें प्रज्वलित करने से नकारात्मक ऊर्जा को दूर होती है। यही नहीं हवन में सकारात्मक शक्तियों को आकर्षित करने और नकारात्मक ऊर्जाओं को दूर करने की क्षमता होती है। इसी वजह से आपको कभी भी हवन की राख को बिना सोचे-समझे हुए कहीं भी फेंकना नहीं चाहिए। इसको आपको हमेशा सही स्थान पर ही रखना चाहिए।

मुख्य द्वार पर लटकाएं हवन की राख की पोटली

घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने के लिए आपको हवन के समापन के बाद इसकी राख को घर के मुख्य द्वार पर जरूर छिड़कना चाहिए, जिससे घर की कोई भी नकारात्मक ऊर्जा दूर हो सकती है। अगर आप मुख्य द्वार पर हवन की राख छिड़कती हैं तो मुख्य द्वार से किसी भी नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं हो सकता है। इस उपाय से आपके घर में सदैव खुशहाली बनी रहती है और किसी भी बुरी शक्ति का नाश होता है। आप इस राख को किसी पीले कपड़े में बांधकर मुख्य द्वार पर लटका सकती हैं, इससे कोई भी नकारात्मक ऊर्जा घर के भीतर प्रवेश नहीं करेगी।

हवन की तिजोरी या अलमारी में रखें

अगर आपके घर में लंबे समय से आर्थिक समस्याएं चली आ रही हैं, तो आपको घर में हवन करने के बाद इसकी बची हुई राख को घर में तिजोरी वाले स्थान पर रख देना चाहिए। आप इस राख को किसी लाल कपड़े में बांधकर घर में पैसों के स्थान पर रखें। इससे आपके जीवन की कोई भी आर्थिक समस्या दूर हो सकती है और घर में माता लक्ष्मी का वास होता है। इस उपाय से आप पैसों की फिजूलखर्ची को भी रोक सकती हैं।

घर के गार्डन में डालें हवन की राख

हवन की राख को आप घर के गार्डन में इस्तेमाल कर सकती हैं। अगर आप ये राख किसी ऐसे स्थान पर डालें जहां किसी का पैर नहीं पड़ता है तो ज्यादा शुभ माना जाता है। आप इसे घर के बाहर पीपल या नीम के पेड़ के पास रखती हैं तो इसके शुभ फल मिलते हैं।

घर के कोनों में करें छिड़काव

यदि आपके घर में बिना वजह तनाव, कलह-कलेश बने रहते हैं तो आप घर में हवन करने के बाद इसकी राख को घर के चारों तरफ छिड़कें। इस उपाय से कोई भी नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और बिना वजह कलेश दूर होते हैं। आप एक चुटकी राख को पानी में मिलाएं और इसका छिड़काव घर के चारों तरफ करें। इससे आपके जीवन में शांति बनी रहती है और पारिवारिक रिश्ते मजबूत होते हैं। शास्त्रों के अनुसार, हवन की राख को श्रद्धा के साथ माथे या गले पर लगाने से सभी रोगों में राहत मिल सकती है। इसलिए आपको कभी भी हवन की राख को कूड़े में नहीं फेंकना चाहिए बल्कि इसे श्रद्धा पूर्वक किसी पवित्र स्थान पर प्रवाहित करना चाहिए।

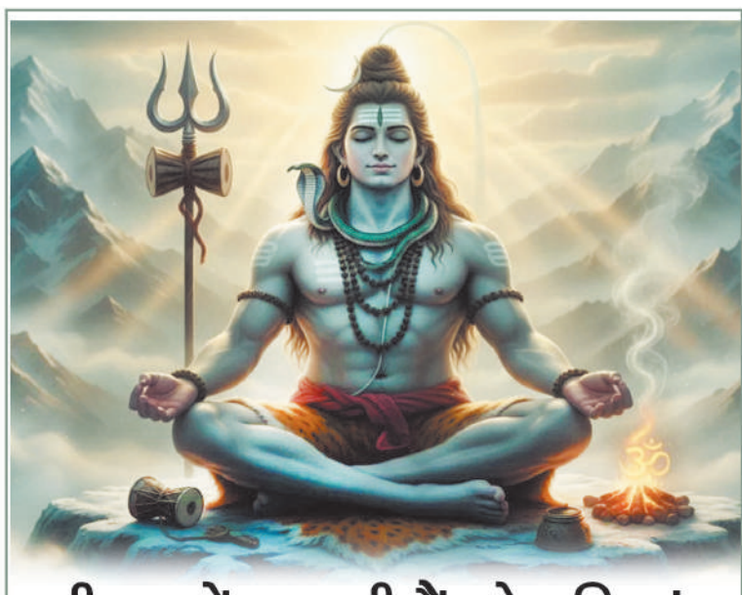

जीवन में बढ़ रही हैं परेशानियां?

इस स्तोत्र के नियमित पाठ से मिलेगी हर कष्ट से मुक्ति, सही नियम और समय

हिंदू धर्म में भगवान शिव को आशुतोष माना गया है यानी वे जो मात्र एक लोटा जल और सच्ची भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। महादेव को प्रसन्न करने के लिए वैसे तो कई मंत्र और चालीसा प्रचलित हैं, लेकिन शास्त्रों में परमेश्वर स्तुति स्तोत्र को विशेष स्थान दिया गया है। मान्यता है कि यह स्तोत्र न केवल जीवन की बाधाओं को दूर करता है।

हिंदू धर्म में भगवान शिव को आशुतोष माना गया है यानी वे जो मात्र एक लोटा जल और सच्ची भक्ति से शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। महादेव को प्रसन्न करने के लिए वैसे तो कई मंत्र और चालीसा प्रचलित हैं, लेकिन शास्त्रों में परमेश्वर स्तुति स्तोत्र को विशेष स्थान दिया गया है। मान्यता है कि यह स्तोत्र न केवल जीवन की बाधाओं को दूर करता है, बल्कि साधक को आध्यात्मिक शांति और सकारात्मकता से भर देता है।

क्या है इस स्तोत्र का आधार

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, परमेश्वर स्तुति स्तोत्र महादेव के उस कल्याणकारी और विराट स्वरूप को समर्पित है, जो सृष्टि का आधार है। आध्यात्मिक जानकारों का मानना है कि जब व्यक्ति खुद को संकटों से घिरा हुआ पाता है, तब इस स्तोत्र का पाठ एक अमोघ शक्ति की तरह काम करता है। यह भक्त के अंतर्मन की शुद्धि कर आत्मविश्वास को जागृत करने में सहायक होता है।

नियमित पाठ से मिलने वाले चमत्कारी लाभ

ज्योतिष और धार्मिक विशेषज्ञों के अनुसार, इस स्तुति के नियमित जाप से कई दिव्य लाभ प्राप्त होते हैं-

मानसिक तनाव से मुक्ति - इस स्तोत्र की विशिष्ट ध्वनियां और शब्द विन्यास मस्तिष्क को शांत करने और एकाग्रता बढ़ाने में प्रभावी माने जाते हैं।

नकारात्मकता का नाश - घर और कार्यस्थल पर मौजूद नकारात्मक ऊर्जा को समाप्त करने के लिए इसे अत्यंत प्रभावशाली माना गया है।

पाप शमन और मोक्ष - पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, श्रद्धापूर्वक किया गया यह पाठ अनजाने में हुए पापों के प्रभाव को कम करता है और मोक्ष प्राप्ति का मार्ग सुगम बनाता है।

कार्य सिद्धि - जीवन में आ रही अनचाही बाधाएं और रुकावटें महादेव की कृपा से दूर होने लगती हैं।

पाठ की सही विधि और नियम

किसी भी स्तोत्र का पूर्ण फल तभी मिलता है जब उसे विधि-विधान से किया जाए। परमेश्वर स्तुति स्तोत्र के लिए निम्न बातों का ध्यान रखना आवश्यक है -

समय और स्वच्छता - ब्रह्म मुहूर्त या सुबह स्नान के बाद स्वच्छ सफेद या केसरिया वस्त्र पहनकर पाठ करना सबसे उत्तम है।

पूजन सामग्री - भगवान शिव की प्रतिमा या शिवलिंग के समक्ष घी का दीपक प्रज्वलित करें।

विशेष दिन - वैसे तो इसका पाठ प्रतिदिन फलदायी है, लेकिन सोमवार, प्रदोष व्रत या शिवरात्रि के दिन इसका महत्व कई गुना बढ़ जाता है।

पूर्णता - पाठ संपन्न होने के बाद महादेव को बेलपत्र और जल अर्पित करें, यह पूजा की पूर्णता का प्रतीक माना जाता है।

भारत के इन 5 मंदिरों का प्रसाद भूलकर भी घर न लाएं, हो सकते हैं बड़े नुकसान

भारत को मंदिरों और देवताओं की भूमि के रूप में सदियों से सराहा जाता रहा है। यहां के हर स्थान पर कोई न कोई प्रसिद्ध मंदिर जरूर है। हर स्थान पर कोई ना कोई ऐसा मंदिर भी होता है जिसकी अपनी लगा कहानी होती है। यही नहीं उन मंदिरों की रहस्यमई कथाओं के साथ उनसे जुड़े कुछ तथ्य भी जरूर होते हैं जो हमें सोचने पर मजबूर कर देते हैं। ऐसे ही देश के कुछ ऐसे मंदिर भी हैं जिनकी कहानी के साथ उससे जुड़ी कुछ बातें भी हैं जो हैरान कर सकती हैं। उन्हीं में से कुछ मंदिर ऐसे भी हैं जिनके लिए यह प्रचलित है कि यदि आप वहां दर्शन के लिए जा रही हैं तो भूलकर भी आपको उन स्थानों का प्रसाद अपने घर में नहीं लाना चाहिए। मान्यता यह भी है कि यदि आप इन मंदिरों का प्रसाद घर लेकर आती हैं तो इससे आपके घर में भी घटनाएं हो सकती हैं और कुछ नकारात्मक प्रभाव आ सकते हैं। आइए जानें भारत के उन अनोखे मंदिरों के बारे में जिनसे आप शायद अनजान होंगी।

मेहंदीपुर बालाजी

हनुमानजी को समर्पित मेहंदीपुर बालाजी का नाम भला किसने नहीं सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर में दर्शन मात्र से प्रेत बाधाएं समाप्त होती हैं और जो लोग बुरी शक्तियों से पीड़ित होते हैं, उनको इस मंदिर में दर्शन करने से बाधाओं से मुक्ति मिलती है। मान्यता है कि इस मंदिर में यदि कोई व्यक्ति बूंदी के लड्डू का बोग लगाता है तो उसकी बाधाएं दूर होती हैं। इसी स्थान पर भैरव बाबा को भी उड़द दाल और चावल का भोग लगाया जाता है। मान्यता है कि इस मंदिर में यदि कोई आपको प्रसाद दे तो उसे ग्रहण न करें और न ही मंदिर का प्रसाद घर लाएं, अन्यथा जीवन में समस्याएं आ सकती हैं।

काल भैरव मंदिर

काल भैरव मंदिर मध्य प्रदेश के उज्जैन में स्थित है। इस मंदिर में प्रसाद के रूप में भक्त मदिरा का भोग लगाते हैं। यह भारत का इकलौता ऐसा मंदिर है जहां यह परंपरा प्रचलित है कि यहां जो मदिरा भोग में चढ़ती है उसका भोग ग्रहण नहीं करना चाहिए और न ही इसे घर लाना चाहिए। यदि आप भूलकर भी इस प्रसाद को घर लाती हैं तो आपके घर में कुछ अनहोनी घटनाएं हो सकती हैं।

कामख्या देवी मंदिर

कामख्या देवी मंदिर असम के गुवाहाटी में स्थित भारत के प्रमुख मंदिरों में से एक है। यह भारत का एक मात्र मंदिर हैं जहां माता कामाख्या की योनि की पूजा उनके मासिक धर्म के दौरान की जाती है। यहां साल में एक बार 3 दिवसीय उत्सव मनाया जाता है और इस दौरान मंदिर के भीतर किसी का भी प्रवेश वर्जित होता है यही नहीं यदि कोई इस मंदिर का प्रसाद ग्रहण करता है तो उसके जीवन में कुछ अशुभ घटनाएं हो सकती हैं।

नैना देवी मंदिर

नैना देवी मंदिर हिमाचल में मौजूद है और यह 51 शक्तिपीठों में से एक है. यहां प्रसाद के रूप में दी जाने वाली चीजें विशेष अनुष्ठान के बाद केवल माता को अर्पित की जाती हैं। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर में मिलने वाले प्रसाद को आपको मंदिर परिसर में ही ग्रहण कर लेना चाहिए। आपको भूलकर भी इस मंदिर का प्रसाद मंदिर से बाहर या घर में नहीं लाना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन में नकारात्मक प्रभाव हो सकते हैं। हालांकि यदि आप इस प्रसाद को मंदिर परिसर में ही ग्रहण कर लेती हैं तो इसके कोई अशुभ प्रभाव नहीं होते हैं।

कोटिलिंगेश्वर मंदिर

कोटिलिंगेश्वर मंदिर कर्नाटक के कोलार जिले में स्थित है और इस मंदिर में एक करोड़ शिवलिंगों की स्थापना की गई है। ऐसा माना जाता है कि इस मंदिर का प्रसाद भक्तों को केवल प्रतीकात्मक रूप से ही ग्रहण करना चाहिए। मान्यता यह भी है कि आपको कभी भी शिवलिंग पर चढ़ा हुआ प्रसाद ग्रहण नहीं करना चाहिए। इसी वजह से इस मंदिर में प्रसाद न तो ग्रहण करना चाहिए और न ही इसे मंदिर से बाहर लाना चाहिए।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, सोमवार 9 फरवरी 2026

सिंधी काउंसिल का फ्री हेल्थ कैंप 22 फरवरी को

रायपुर। रायपुर में सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई और सिंधु डॉक्टर फोरम की ओर से 22 फरवरी 2026 को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का पोस्टर एमएमआई हॉस्पिटल, रायपुर में विमोचित किया गया। पोस्टर विमोचन समारोह में सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ और अन्य प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। इस मौके पर संजय रहेजा, विक्की लोहाना, सुनील कुकरेजा, डॉक्टर एन. डी. गजवानी, डॉक्टर सुनील धर्मानी, अजीत कुमार बेलमकुंडा, ईश्वर चंद देशमुख, सतनाम सिंह, हार्पित सिंह, निलेश तारवानी, रितेश वाधवा, धनेश मटलानी, जीतू लोहाना और मनीष तलरेजा मौजूद थे।

खादी एवं ग्रामोद्योग बाजार प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

रायपुर (विश्व परिवार)। खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) रायपुर के द्वारा संयुक्त राज्य स्तरीय प्रदर्शनी खादी एवं ग्रामोद्योग बाजार का शुभारंभ किया गया। यह विशेष आयोजन, वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत अभियानों को बढ़ावा देने के राष्ट्रव्यापी प्रयास का एक हिस्सा है, जिसका उद्देश्य भारत की समृद्ध स्वदेशी शिल्पकला को बढ़ावा देना और ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाना है। यह प्रदर्शनी 8 फरवरी 2026 से 17 फरवरी 2026 तक छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित बीटीआई ग्राउंड में आयोजित की जा रही है। दर्शक खादी और ग्रामोद्योग से संबंधित विभिन्न प्रकार के उत्पादों को देख और खरीद सकते हैं, जिनमें रेशमी साड़ियां, रेडीमेड वस्त्र, हर्बल एवं आयुर्वेदिक उत्पाद, मिट्टी के बर्तन, शहद, चमड़े के सामान आदि शामिल हैं।

भारत के सबसे बड़े ICAI भूखंड पर रायपुर में ICAI भवन का शिलान्यास संपन्न

रायपुर (विश्व परिवार)। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (ICAI) की रायपुर शाखा द्वारा ICAI भवन के निर्माण हेतु शिलान्यास समारोह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। यह भवन ICAI की किसी भी शाखा को आवंटित देश के सबसे बड़े भूखंड पर निर्मित किया जा रहा है। शिलान्यास ICAI के माननीय अध्यक्ष सीए चरणजोत सिंह नंदा द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्रीय परिषद सदस्य सीए अभय छाजेड़, सीए पंकज शाह, सीए अनुज गोयल, सीए अंकुर गुप्ता, तथा ष्ठ्ठत्रष्ट के चेयरमैन सीए दिनेश कुमार अग्रवाल एवं ष्ठ्ठत्रष्ट के उपाध्यक्ष सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रस्तावित ढ्ढष्ट्ठ भवन चार्टर्ड अकाउंटेंट्स एवं सीए विद्यार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अधोसंरचना केंद्र होगा। यह परियोजना विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त होगी, जिसमें उन्नत तकनीकी प्रणाली, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी लैब, स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन सेंटर तथा आधुनिक प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक सुविधाएँ विकसित की जाएंगी। परियोजना को 15 माह की समयावधि में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

रायपुर शाखा के अध्यक्ष सीए विकास गोलछा ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि शाखा के गठन के 45 वर्षों बाद भवन का शिलान्यास होना पूरे सीए समुदाय के लिए गर्व का विषय है।

समारोह में शाखा के प्रबंध समिति सदस्य भी उपस्थित रहे, जिनमें उपाध्यक्ष सीए रश्मि वर्मा, सचिव सीए रवि जैन, कोषाध्यक्ष सीए संस्कार अग्रवाल, सिकासा चेयरमैन सीए ऋषिकेश यादव, महिला समिति चेयरपर्सन सीए शीतल काला, तथा त्नस्न्रष्टस्न एवं ह्रञ्जष्ट समिति चेयरपर्सन सीए आयुषी गर्ग शामिल रहे।

शाखा द्वारा छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से पधारे पूर्व अध्यक्षों, सदस्यों, सीए विद्यार्थियों, व्यापार एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों, आयकर एसोसिएशन तथा जीएसटी बार एसोसिएशन का कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आभार व्यक्त किया गया।

नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना का है केन्द्रीय बजट : मनोहर लाल

केन्द्रीय मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा : केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ के सर्वांगीण विकास के लिए संवेदनशील

केंद्रीय बजट विकसित भारत 2047 के विजन को समर्पित एक ऐतिहासिक दस्तावेज

रायपुर (विश्व परिवार)। केंद्रीय ऊर्जा, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने केन्द्र सरकार के बजट को नवोत्थान और वैश्विक भारत की प्रतिष्ठापना वाहक बताया और कहा कि इस बार के बजट में सिर्फ आँकड़े ही नहीं हैं, बल्कि विकसित भारत-2047 का विजन भी सामने रखा गया है। केन्द्रीय मंत्री रविवार को एक दिवसीय प्रवास पर राजधानी पहुँचने के बाद एक महती प्रेस कॉन्फ्रेंस को सम्बोधित कर रहे थे।

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बजट प्रावधानों की सराहना की और इसे केवल एक वार्षिक वित्तीय विवरण न मानकर देश के अगले 25 वर्षों के विकास का मार्गदर्शक विजन डॉक्यूमेंट बताया। श्री मनोहर लाल ने एक महत्वपूर्ण तथ्य साझा करते हुए बताया कि इस वर्ष का बजट पहली बार कर्तव्य भवन (वित्त मंत्रालय का नया परिसर) में तैयार किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के संबोधन का उल्लेख करते हुए बताया कि यह बजट तीन विशेष कर्तव्यों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जो देश को आर्थिक और सामाजिक रूप से सुदृढ़ बनाएंगे। इस बजट में 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट को भी स्वीकार किया गया है, जिसकी योजनाएँ आगामी 5 वर्षों के लिए महत्वपूर्ण दिशा तय करेंगी।

केन्द्रीय मंत्री श्री मनोहर लाल ने विश्वास जताया कि बजट में निर्धारित लक्ष्यों के माध्यम से देश बिजली, बुनियादी ढांचे और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति करेगा। यह बजट समावेशी विकास की ओर बढ़ता हुआ एक सशक्त कदम है।

इस दौरान केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू, प्रदेश के वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी, भाजपा प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, सांसद व मुख्य प्रवक्ता संतोष पाण्डेय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल सहित प्रदेश प्रवक्ता अमित चिमनानी, शिवनारायण पाण्डेय व प्रमोद शर्मा भी उपस्थित रहे।

शहर से नवीन मेला मैदान पहुंचाने दो यात्री बस दे रहे सेवा

गरियाबंद। कुंभ कल्प मेला में नवीन मेला मैदान चौबेबांधा तक पहुंचने के लिए परिवहन विभाग जिला गरियाबंद द्वारा दो यात्री बस की सुविधा मुहैया कराई गई है। यह सेवा निशुल्क है। दिन भर कई बार आना-जाना कर रहे हैं जिनमें से एक बस राजिम के बस स्टैंड में खड़ी रहती है और दूसरी मेला मैदान में। यह बस लाने का तो काम करते ही हैं साथ में ले जाने के लिए भी यात्रियों का इंतजार करते रहते हैं। बताना होगा कि बस स्टैंड से नवीन मेला मैदान सड़क मार्ग से दूरी तकरीबन ढाई किलोमीटर है जिनके पास खुद के वाहन है वह तो आना-जाना कर पा रहे हैं लेकिन जो पैदल यात्री है उनके लिए प्रशासन ने गंभीरता से विचार किया और बस सुविधा प्राप्त किया है। बताना होगा कि बस में सुरक्षा के लिए पुलिस के बल तैनात किए गए हैं ।

बस्तर के दोनों सांसदों को पंडुम के मंच पर नहीं बैठाना बस्तर का अपमानः दीपक बैज

रायपुर (विश्व परिवार)। पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बस्तर पंडूम के शुभारंभ के अवसर पर राष्ट्रपति के मंच पर मुख्यमंत्री और मंत्रीगणों को तो स्थान दिया गया, लेकिन बस्तर के दोनों आदिवासी सांसदों, कांकेर सांसद भोजराज नाग और बस्तर के सांसद महेश कश्यप को भाजपा सरकार ने मंच पर बैठाने के लायक भी नहीं समझा, जबकि प्रोटोकॉल के अनुसार सांसदों को मंच पर बैठाना था, बस्तर के दोनों ही सांसद आदिवासी वर्ग से आते है तथा बस्तर की जनता का प्रतिनिधित्व करते है। यह उन सांसदों का ही नहीं बस्तर की जनता और बस्तरिया अस्मिता का अपमान है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार बस्तर पंडुम के नाम पर करोड़ो रुपए खर्च कर अपनी ब्रांडिंग तो कर रही, लेकिन बस्तर के लोगों के स्वाभिमान के साथ खिलवाड़ कर रही है। जिस पंडुम में बस्तर के जन प्रतिनिधि अपमानित हो रहे, वहां पर आम बस्तरिया आदिवासी की क्या स्थित होगी समझा जा सकता है। भाजपा सरकार को आदिवासी अस्मिता, आदिवासियों की धार्मिक आस्था, आदिवासी संस्कृति से कोई मतलब नहीं, बस्तर में मची संसाधनों की लूट से ध्यान भटकाने के लिए केवल राजनैतिक इवेंट कर रहे हैं। अपने ही दल के चुने हुए सांसदों को अपमानित करके बस्तर की जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार को न बस्तर की समृद्धि से कोई सरोकार है ना ही बस्तरिया संस्कृति से केवल अपनी ब्रांडिंग के लिए आदिवासी समाज को यह सरकार बार अपमानित कर रही है।

संत कवि पवन दीवान की पुण्यतिथि कल

गरियाबंद। स्वामी अमृतानंद संत कवि पवन दीवान की पुण्यतिथि 9 फरवरी दिन सोमवार को मनाई जाएगी। इस मौके पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया जाएगा। स्वामी अमृतानंद (पवन दीवान) स्मृति छत्तीसगढ़ ब्रह्मचर्य आश्रम न्यास समिति राजिम के अध्यक्ष संतोष उपाध्याय, सचिव अनिल तिवारी, सहसचिव संदीप तिवारी, सदस्य राजेश्री महंत डॉ रामसुंदर दास, केके पुराणिक, लोकेश पांडे, युवराज शर्मा, केके शर्मा, विकास तिवारी, दिनेश शर्मा ने बताया कि आश्रम में दीवान जी को श्रद्धा सुमन अर्पित की जाएगी।

सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी, छत्तीसगढ़ की दूसरी जीत

रायपुर (विश्व परिवार)। BCCI की ओर से आयोजित सीनियर महिला वनडे ट्रॉफी 2024 में छत्तीसगढ़ महिला टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए उत्तराखंड को 4 विकेट से शिकस्त दी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला 8 फरवरी 2026 को गुजरात के बड़ोदरा में खेला गया। जहां छत्तीसगढ़ ने संतुलित गेंदबाजी और सधी हुई बल्लेबाजी के दम पर मुकाबला अपने नाम किया। टॉस जीतकर छत्तीसगढ़ ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए उत्तराखंड की टीम ने निर्धारित 50 ओवर में 9 विकेट पर 234 रन बनाए। टीम की ओर से राघवी ने सबसे ज्यादा 77 रन की पारी खेली। इंद्राणी (43 रन) और कंचन (40 रन) ने भी अहम योगदान दिया। कप्तान कृति गुप्ता, कप्तान कृति गुप्ता, शिल्पा साहू, शिल्पा साहू। उर्मिला-महक की शानदार गेंदबाजी छत्तीसगढ़ की ओर से उर्मिला हरिना ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके।

रायपुर पश्चिम में स्मार्ट अधोसंरचना का स्वर्णिम युग, विधायक राजेश मूणत ने टाटीबंध में तैयार कराया प्रदेश का सबसे भव्य महतारी सदन

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में विकास केवल सड़कों और नालियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अब मानवीय संवेदनाओं और भविष्य की पीढ़ी को गढ़ने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। क्षेत्रीय विधायक और विकासोन्मुखी राजनीति के पर्याय राजेश मूणत की विशेष पहल पर शहीद भगत सिंह वार्ड के टाटीबंध क्षेत्र में प्रदेश का पहला सर्वसुविधायुक्त %महतारी सदन सह आंगनबाड़ी% का निर्माण पूर्ण हो चुका है। लगभग 85 लाख रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार यह केंद्र छत्तीसगढ़ की आंगनबाड़ी व्यवस्था के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य और संस्कार का संगम :- महतारी सदन 4500 स्क्वायर फुट में फैली इस अत्याधुनिक इमारत को इस तरह डिजाइन किया गया है कि यहाँ आने वाली माताओं और बच्चों को घर जैसा सुरक्षित और सुखद वातावरण मिल सके।

बहुउद्देशीय अधोसंरचना इस भव्य भवन में पृथक प्ले एरिया, अत्याधुनिक डाइनिंग एरिया, एक हाइजीनिक किचन, व्यवस्थित स्टोर रूम, डिजिटल लर्निंग के अनुकूल क्लास रूम और प्रशासनिक कार्यों के लिए ऑफिस रूम बनाया गया है।दिव्यांग अनुकूल डिजाइन- संवेदनशीलता का परिचय देते हुए विधायक श्री मूणत ने यहाँ महिला, पुरुष के साथ-साथ विशेष रूप से दिव्यांगजनों के लिए सर्वसुविधायुक्त वाशरूम का निर्माण कराया है।सज्जा और सुरक्षा- भवन की सुंदरता को बढ़ाने के लिए सामने के विशाल क्षेत्र में आकर्षक पेवर ब्लॉक लगाए गए हैं और सुरक्षा के दृष्टिकोण से एक मजबूत पृथक बाउंड्रीवाल का निर्माण किया गया है।

नन्हे कदम, ऊँची उड़ान- खेल-कूद की विश्वस्तरीय व्यवस्था :- विधायक राजेश मूणत का मानना है कि गरीब और मध्यम वर्ग के बच्चों का बचपन सुविधाओं के अभाव में नहीं दबना चाहिए। इसी विजन के साथ टाटीबंध के इस केंद्र में फिसल पट्टी, झूला, कैरम, सांप-सीढ़ी, शतरंज, बास्केटबॉल, पिट-बॉल और स्विंग (झूला) जैसी तमाम व्यवस्थाएं की गई हैं। यह आंगनबाड़ी अब सिर्फ एक पोषण केंद्र नहीं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास का एक ग्रोथ सेंटर बनेगा।

विधायक राजेश मूणत का वक्तव्य :- मेरा संकल्प रायपुर पश्चिम को विकास के मामले में आत्मनिर्भर और देश के सर्वश्रेष्ठ विधानसभा क्षेत्रों में शुमार करना है। %महतारी सदन% मेरी उस परिकल्पना का हिस्सा है जहाँ हमारी मातृशक्ति को सम्मान मिले और नौनिहालों को वही वातावरण मिले जो किसी संभ्रांत निजी प्ले-स्कूल में मिलता है। जब एक बच्चा खेल-खेल में शिक्षा और उत्तम पोषण प्राप्त करेगा, तभी रायपुर और छत्तीसगढ़ का भविष्य उज्ज्वल होगा। मैं चाहता हूँ कि सरकारी व्यवस्थाओं पर जनता का भरोसा इतना मजबूत हो कि लोग गर्व से कहें कि यह हमारा महतारी सदन है।

रस्म उठावनी/श्रद्धांजलि

ॐ शांति ॐ शांति

अत्यन्त दु:ख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि वरिष्ठ समाजसेवी कीर्तिशेष राजकुमार जैन (तहसील) के पौत्र

संकेत जैन

की हृदय गति रुकने से अल्पायु में 6 फरवरी 2026 को निधन हो गया है।

रस्म उठावनी/श्रद्धांजलि सभा/देवदर्शन

आज दिनांक 09.02.2026 सोमवार को सायं 3 से 4 बजे तक

स्थान- श्री चन्द्रप्रभु जिनालय, रानी लक्ष्मीबाई पार्क के सामने, झाँसी पर सम्पन्न होगी।

शोकाकुल परिवार

दादा-दादी- विनोद जैन (तहसील) प्रमोद-अर्चना जैन
बुआजी-फूफाजी- विजय लक्ष्मी जैन (चिरगांव) सुशील-नीलम जैन (आगरा)
भाई-भाभी- इं. सिद्धार्थ-नुपुर जैन, सारांश, आदित्य, नमन जैन
बहन-बहनोई- इं. प्रियंका-इं. तन्मय, साक्षी-इं. प्रशांत आस्था-इं. अर्पित, त्रिषा-सानिध्य निकिता-शुभम, सोनल, कनिका, वेदिका
मौसा-मौसी- अनिल-सीमा जैन (आगरा)
मामा-मामी- बबीता-स्व. राजीव क्षमा-आशीष (दिल्ली)
माता-पिता-सुभाष 'सत्यराज'-साधना जैन
पत्नी- श्रीमती अंकिता जैन
पुत्री- ईशानी, भतीजा- अथर्व
चाचा-चाची- प्रभात-मंजू जैन, विनीत-बबीता जैन, विक्रम-मनीषा जैन, विष्णु-गुणमाला जैन अमित-आंचल जैन, अरुण-संजना जैन, अजय-अंजू जैन, पियूष-भावना जैन, एवं समस्त शोकाकुल जैन परिवार

प्रतिष्ठान
• CS संकेत जैन एण्ड कम्पनी • सत्यराज इंटरप्राइजेज • जैन फर्नीचर्स
• निकिता इस्पात • विष्णु बिल्डिंग मैटेरियल
सम्पर्क सूत्र: 9839512748, 9415112744, 9535380374

प्रदेशभर में होंगे स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का आयोजन

पंचायत एवं नगरीय निकायों में चलाया जाएगा जनजागरुकता अभियान

रायपुर (विश्व परिवार)। स्मार्ट मीटर की सुविधा का लाभ उठाने के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी उपभोक्ताओं को जागरुक करेगी। इसमें उन्हें अपने मोबाइल के माध्यम से स्मार्ट मीटर में दर्ज खपत को देखने और उनके अनुसार ऊर्जा की बचत करने के तरीके सिखाया जाएगा। इसके लिए 9 से 23 फरवरी तक स्मार्ट मीटर पखवाड़ा जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के निर्देशानुसार 9 फरवरी से 23 फरवरी 2026 तक देशभर में स्मार्ट मीटर पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान रिवैम्प्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम (ऋष्ठस्स्) के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य वितरण कंपनियों की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ उपभोक्ताओं को बेहतर और पारदर्शी विद्युत सेवाएँ प्रदान करना है। देशभर में अब तक 5 करोड़ से अधिक प्रीपेड स्मार्ट मीटर स्थापित किए जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम तेजी से चल रहा है। स्मार्ट मीटर पखवाड़े का मुख्य उद्देश्य उपभोक्ताओं में स्मार्ट मीटर के प्रति जागरूकता, विश्वास और स्वीकृति को बढ़ावा देना है। पखवाड़े के दौरान छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज द्वारा उपभोक्ताओं को प्रीपेड स्मार्ट मीटर के लाभों की जानकारी दी जाएगी। इसमें अग्रिम भुगतान की सुविधा, रीयल-टाइम बैलेंस की जानकारी, बिजली खपत पर बेहतर नियंत्रण, सही एवं पारदर्शी बिलिंग, विवादों में कमी, लो-बैलेंस एवं असामान्य खपत की सूचना, आसान रिचार्ज सुविधा तथा सेवा गुणवत्ता में सुधार शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि इस अवधि में उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर से संबंधित मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि स्मार्ट मीटर से मिलने वाले लाभ उपभोक्ताओं को सीधे दिखाई दें। जिन घरों में इस दौरान स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे, वहाँ डेमोस्ट्रेशन सत्र आयोजित किए जाएंगे।

स्मार्ट मीटर पखवाड़े के अंतर्गत उपभोक्ता सहभागिता बढ़ाने के लिए नुक्कड़ नाटक, पोस्टर एवं लघु वीडियो जैसे आईईसी सामग्री का प्रसार, मोबाइल एप इंस्टॉलेशन में सहायता, लाइव डेमो, भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अस्थायी सहायता केंद्र/हेल्प डेस्क की स्थापना, नगर पालिका एवं पंचायत स्तर पर कार्यशालाएँ तथा उपभोक्ता फीडबैक सर्वे आयोजित किए जाएंगे।

पैरी नदी उद्गम एवं प्रस्तावित राजिम बैराज का मॉडल बना आकर्षण का केंद्र

गरियाबंद। राजिम कुंभ कल्प मेला में जल संसाधन विभाग द्वारा लगाए गए स्टॉल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। खासकर पैरी नदी उद्गम एवं प्रस्तावित राजिम बैराज का कार्यशील मॉडल एकाएक लोगों को अपनी ओर खींच रहा है। स्टॉल पर दिनभर दर्शनार्थियों की काफी भीड़ देखने को मिली। जल संसाधन विभाग के स्टॉल में पैरी नदी के उद्गम स्थल भाटीगढ़ को मॉडल के माध्यम से दर्शाया गया है। यहां बताया गया कि भाटीगढ़ से निकलने वाली पैरी नदी का पानी सिकासेर बांध में पहुंचता है, वहां से आगे कुकदा डेम होते हुए अंततः राजिम तक प्रवाहित होता है।

डिंपल्स कॉस्मेटिक सर्जरी द्वारा गालों में स्थायी डिंपल्स

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर

फोन : 9827143060/8871003060

RAIPUR BUSINESS HUB

ITR फाईल बनवाएं मात्र 500/-

GST रजिस्ट्रेशन | TDS रिफंड
CMA DATA | BALANCE SHEET
MSME रजिस्ट्रेशन | फूड लाइसेंस
प्रोजेक्ट रिपोर्ट | TAX AUDIT

हमारे TAX EXPERT आपकी मदद हेतु तैयार हैं
(व्हाट्सएप पर भी बनवाएं)
संपर्क - शेखर गुप्ता 9300755544, 8878655544

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354